पटना ● बुधवार, 24 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:193 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों का... 3 www. bordernewsmirror.com महारागनी-क्वीन ऑफ... 8

आम बजट-2024

नौकरी और कौशल विकास पर 2 लाख करोड़ खर्च करेगी सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नौकरी, कौशल विकास और अन्य सुविधाओं पर 2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। ये पैसे 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं लिए रोजगार के मौके बनाने और अन्य सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा, इस साल शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा, रोजगार के लिए सरकार फर्स्ट टाइमर युवाओं के पीएफ में 3 हजार रुपए तक योगदान करेगी। इसकी योग्यता स्तर 1 लाख हर महीने तक सैलरी पाने वाले आएंगे।

युवाओं को इंटर्नशिप के लिए 5 हजार महीना मिलेगा

मोदी सरकार की 5वीं नई योजना के तहत 500 बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार की इंटर्नशिप योजना से 1 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। पीएम मोदी का यह युवाओं के लिए स्पेशल इंटर्नशिप पैकेज है। इसके तहत युवाओं को 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप करने की मौका मिलेगा। साथ ही हर महीने 5 हजार रुपये का इंटर्नशिप भत्ता भी दिया जाएगा। इसके साथ ही जो युवा अपनी इंटर्नशिप पूरी कर लेते हैं उन्हें अलग से 6 हजार रुपये भी दिए जाएंगे। सरकार की इस योजना के तहत 5 साल में 1 करोड़ युवाओं को लाभ पहुंचेगा।

बनेंगे तीन नए एक्सप्रेस-वे

युवाओं के लिए 5 नई स्कीम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार में 3 एक्सप्रेसवे, भागलपुर के पीरपैंती में पावर प्लांट के साथ ही पूर्वी राज्यों के डेवलपमेंट के लिए पूर्वोदय स्कीम का ऐलान किया है। वहीं जॉब-स्किल डेवलपमेंट के लिए 5 नई योजनाओं की घोषणा की। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा एक्सप्रेस वे और बक्सर में गंगा नदी पर दो लेन का पुल बनाया जाएगा। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 26 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का ऐलान है। अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरीडोर के तहत गया में औद्योगिक केंद्र बनाया जाएगा। पीरपैंती में 21,400 करोड़ की लागत से 2400 मेगावॉट की क्षमता का पावर प्लांट बनेगा।

खोला खजाना, सबका होगा 'मंगल'

- 3 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री, गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए खुला खजाना
- भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 9 प्राथमिकताओं पर सरकार का जोर
- नौकरी और कौशल विकास पर 2 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का वित्तमंत्री का ऐलान
- महिलाओं और लड़कियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाओं पर 3 लाख करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कमर कस ली है। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब बजट भाषण पढ़ा तो यही बात नजर आई। निर्मला सीतारमण ने सातवीं बार बजट पेश किया है। यह मोदी सरकार का यह 13वां बजट है, जिसमें निर्मला ने कहा कि यह बजट गरीब, महिला, युवा और अन्नदाताओं पर फोकस है। भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में अपना विश्वास तीसरी बार जताया है। वहीं, मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति से चल रही है। निर्मला के इस बजट में आम आदमी को थोड़ी सी राहत देते हुए नए टैक्स रिजीम में बदलाव किया गया है, जिसके तहत 3 लाख तक की इनकम अब टैक्स फ्री होगी। वहीं, पुरानी टैक्स रिजीम में 2.5 लाख रुपए तक की इनकम पर टैक्स से छूट पहले की ही तरह जारी रहेगी। यानी सरकार धीरे-धीरे नई टैक्स रिजीम की ओर बढ़ रही है। निर्मला के सभी प्रमुख ऐलान को समझते हैं।

क्या हुआ सस्ता, क्या महंगा

ये होंगी सस्ती	इनके बढ़ेंगे दाम
चमड़े के जूते	सिगरेट
कपड़े	हवाई जहाज से यात्रा
सोना-चांदी	प्लास्टिक का सामान
मोबाइल फोन	पेट्रोकेमिकल
मोबाइल चार्जर	इलेक्ट्रिक व्हीकल
कैंसर दवा	प्लेटिनम
बिजली के तार	एक्सरे मशीन
सोलर सेट्स	

पुरानी टैक्स रिजीम पर कोई राहत नहीं, नए में 75 हजार तक छूट

वित्त मंत्री ने नए टैक्स रिजीम के लिए डिडक्शन की लिमिट 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दी है। नए टैक्स रिजीम पर अब 3 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वहीं, पुराने टैक्स रिजीम पर कोई राहत नहीं दी है। नए टैक्स रिजीम में तीन लाख रुपये तक कोई टैक्स नहीं लगेगा। तीन से 7 लाख रुपये पर इसे 5 फीसदी कर दिया है। सात लाख से 10 लाख रुपए तक 10 फीसदी, 10 से 12 लाख तक 15 फीसदी और 12 से 15 लाख रुपए तक 20 फीसदी और 50 लाख तक 30 फीसदी टैक्स लगेगा।

पीएम गरीब कल्याण योजना 5 साल के लिए बढ़ी

निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा-प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को 5 साल के लिए बढ़ाया गया है, जिसका लाभ देश के 80 करोड़ लोगों को मिल रहा है। हमारी सरकार का पूरा फोकस रोजगार, हुनर और युवाओं पर है। इस समय देश में मुद्रास्फीति फिलहाल 3.1 फीसदी पर है। इस साल 1.48 लाख करोड़ शिक्षा और रोजगार के लिए खर्च किए जाने का प्रस्ताव है।

एजुकेशन लोन 10 लाख तक, ब्याज पर भी छूट

वित्त मंत्री ने घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए लोन 10 लाख तक किए जाने भी ऐलान किया। घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण के लिए ई-वाउचर हर साल 1 लाख छात्रों को सीधे ऋण राशि के 3 फीसदी की वार्षिक ब्याज छूट के लिए दिए जाएंगे।

नीतिश को 59 हजार करोड़, नायडू को 15 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लगातार सातवीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया। 1 घंटे 23 मिनट के भाषण में उनका फोकस शिक्षा, रोजगार, किसान, महिला और युवाओं पर रहा। इसके अलावा नीतिश कुमार के बिहार और चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश पर केंद्र सरकार मेहरबान रही। नीतिश के बिहार को 59 हजार करोड़ और नायडू के आंध्रप्रदेश को 15 हजार करोड़ की सौगात मोदी सरकार ने बजट में दी है। बजट में नई टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए अब 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई है। उन्हें सरकार अधिकतम 15 हजार रुपए तीन किश्तों में देगी।

मोबाइल फोन सस्ते होंगे, सोना-चांदी पर भी ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब बजट में गिनी-चुनी चीजें ही सस्ती या महंगी होती हैं। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में जीएसटी लागू किया था, जिसके बाद से बजट में केवल कस्टम और एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई-घटाई जाती है। ड्यूटी के बढ़ने और घटने का का इनडायरेक्ट असर चीजों की कीमतों पर पड़ता है। तो इस बार सरकार ने मोटे तौर पर 7 चीजों पर कस्टम ड्यूटी घटा दी है और 2 की ड्यूटी बढ़ा दी है। बीते एक साल में सोना-चांदी 13,000 रुपए महंगे हुए है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 300 रुपए घटे हैं। इस दौरान तुअर दाल करीब 30 रुपए प्रति किलो महंगी हुई है। सोयाबीन तेल, आटा और चावल के दामों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

खेती-किसानी में डिजिटल ढांचे को मजबूती

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार की कृषि, रोजगार और सामाजिक न्याय प्राथमिकताएं हैं। हमारी प्राथमिकताओं में शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा भी शामिल है। कृषि क्षेत्र की उत्पादकता और क्षमता प्राथमिकता बेहद जरूरी है। दलहन-तिलहन की उत्पादकता और भंडारण बढ़ाएंगे। 30 फसलों की 109 किस्में जल्द मिलेंगी। हमारा लक्ष्य तिलहन उत्पादों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। कृषि में डिजिटल ढांचे को मजबूती देंगे, ताकि उत्पादकता बढ़ सके। 400 जिलों में फसलों का डिजिटल सर्वे होगा।

किसान सम्मान निधि नहीं बढ़ेगी, एमएसपी पर कोई ऐलान नहीं- वित्त मंत्री ने खेती और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए दिए। पिछले साल 1.25 लाख करोड़ रुपए दिए गए थे। यानी इस बार किसानों के लिए बजट 25 हजार करोड़ रुपए बढ़ाया है।

24 लाख छात्रों पर पड़ेगा असर, दोबारा नहीं होगी नीट परीक्षा

- सुप्रीम कोर्ट ने माना-पूरी परीक्षा में गड़बड़ी होने के पर्याप्त सबूत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि यह परीक्षा दोबारा नहीं कराई जा सकती क्योंकि बड़ी गड़बड़ी साबित नहीं हो सकी है। कोर्ट ने कहा कि फिर से

परीक्षा कराना ठीक नहीं होगा और यह 24 लाख छात्रों के भविष्य का मामला है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अदालत ने कहा कि इस मामले में व्यवस्थागत खामी की बात साबित नहीं होती है। इसलिए दोबारा से परीक्षा कराने का आदेश नहीं दिया जा सकता। अदालत ने कहा, फिर से एग्जाम कराने का आदेश देना 24 लाख बच्चों के लिए मुश्किल भरा होगा, जिन्होंने परीक्षा दी थी।

कमला हैरिस को राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए मिला बहुमत

- 1976 पार्टी डेलीगेट्स समर्थन में

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से बाइडेन के पीछे हटने के 24 घंटे में ही कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी से नॉमिनेशन के लिए बहुमत हासिल कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कमला

हैरिस को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए 4 हजार में से अब तक 1976 डेलीगेट्स का समर्थन मिल चुका है। 1-7 अगस्त के बीच डेमोक्रेट्स नॉमिनेशन के लिए पहले राउंड की वोटिंग करेंगे। कमला हैरिस ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद पहली बार जनता को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति हैरिस ने राष्ट्रपति के काम की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन ने चार साल में काफी काम किया है।

कोरोना के बाद अब निपाह वायरस ने दी टेंशन

मृतक के संपर्क में आए 350 लोगों में संक्रमण का खतरा

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस के संक्रमण से 14 वर्षीय लड़के की मौत के बाद स्थिति गंभीर होती नजर आ रही है। उसके संपर्क में आने के कारण संक्रमित होने के खतरे का सामना करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 350 हो गई है, जिनमें से 101 लोग उच्च जोखिम की श्रेणी में हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने सोमवार को यह जानकारी दी। केरल का स्वास्थ्य विभाग 13 लोगों के सैंपल्स के नतीजों की प्रतीक्षा कर रहा है। इनके नमूने परीक्षण के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज की विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला और तिरुवनंतपुरम के

एडवांस्ड वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट में भेजे गए थे। वीना जॉर्ज ने कहा, टेस्ट के लिए भेजे गए सैंपल्स में से 6 व्यक्तियों में लक्षण दिखे हैं जिनमें से 3 लोग द्वितीयक संपर्क सूची के हैं। भले ही मृत लड़के के माता-पिता में लक्षण नहीं हैं, फिर भी हमने सभी आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए उनके नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे हैं। संपर्क में आए लोगों की सूची में 2 व्यक्ति पलक्कड़ के हैं।

संक्षिप्त समाचार

मढ़ौरा के सरपंच के घर समेत दो घरों से ज़ेवरात व नकद की चोरी

छपरा/मढ़ौरा, एजेंसी। मढ़ौरा के तेजपुरवा में बीती रात चोरों ने दो घरों से लाखों रुपए मूल्य के सोना चांदी के जेवर व नकद चुरा लिए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक तेजपुरवा निवासी जनार्दन प्रसाद यादव व सरपंच धर्मेंद्र प्रसाद के घर रविवार की रात चोरों ने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया है। परिजनों के मुताबिक दोनों ही परिवार के लोग रात में नौ बजे के बाद खाना खाकर सोने के लिए घर के छत पर चले गए। सुबह जब उनकी नींद खुली तो घर के समान को बिखरा देख आश्चर्यचकित रह गए। बाद में जब कमरे के अंदर देखा तो अलमारी, पेटी, बक्सा आदि का ताला टूटा हुआ पाया गया। इस चोरी की घटना में जनार्दन प्रसाद यादव के घर से सोने चांदी के जेवरों के साथ-साथ करीब 16 हजार रुपए नकद चोर चुरा ले गए। सरपंच धर्मेंद्र प्रसाद के घर से बक्सा, अटैची, अलमीरा आदि तोड़कर सोने और चांदी के करीब 10 लख रुपए के गहने और 90 हजार रुपए नकद चोरी होने की बात बताई गयी। बाद में यह बात घर वालों ने आसपास के लोगों को बताई व इसकी सूचना पुलिस को भी दी। इसके बाद पुलिस इस मामले की जरूरी जांच पड़ताल में जुट गई है। इस मामले में पीड़ितों ने मढ़ौरा पुलिस से लिखित शिकायत की है।

दरियापुर में चोरों ने नगद व गहने चुराये

छपरा/दरियापुर, एजेंसी। डेरनी में चोरों ने एक व्यक्ति के घर में घुस कर 20 हजार रुपए नकद व करीब तीन लाख के गहने चुरा लिए। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात चोर डेरनी के राजनंदन पंडित के घर में घुस गए।फिर उनके घर में रखे बक्से को थोड़ी दूरी पर ले जाकर उसे तोड़ दिए तथा उसमें रखे नकदी रुपए सहित सारे गहने लेकर फरार हो गए। सुबह में जब उठे तो उन्हे मालूम हुआ।इसके बाद पुलिस को सूचना दी।गृह स्वामी ने बताया कि चोर टीका,मेंहदी छल्ला,टॉप्स,अंगूठी सहित सोने व चांदी के सारे गहने लेकर चले गए। पुलिस छानबीन में जुट गई है।

फतेहपुर में 400 सौ लीटर देसी शराब व दो बाइक जब्त

गया, एजेंसी। फतेहपुर पुलिस ने सोमवार को 400 सौ लीटर महुआ शराब व दो बाइक जब्त किया है। हालांकि मौके से शराब तस्कर पुलिस से बचकर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड इलाके से शराब तस्करी कर लाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर डुमरीचट्टी के पास ढाढर नदी पुल पर पुलिस पुलिस पहुंची जिसे देख शराब तस्कर शराब लदी बाइक को छोड़ वहां से भाग निकला। उन्होंने बताया की शराब तस्करों का पता लगाकर उसकी गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है।

गाली देने से मना करने पर मारपीट कर ज़ख्मी किया

छपरा/गड़खा, एजेंसी। फुर्सतपुर गांव में गाली देने से मना करने पर कुछ लोगों ने दो लोगों को मारपीट कर ज़ख्मी कर दिया। घायलों में संतोष कुमार राय, सोनू कुमार शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज छपरा सदर अस्पताल में हुआ। ज़ख्मी संतोष कुमार राय ने पुलिस को दिये बयान में कहा है कि वह दरवाजे पर बैठे थे तभी गांव के कुछ लोग आकर गाली गलौज करने लगे। मना करने पर उन लोगों ने लाठी, डंडा, फरसा और चाकू से हमला बोल दिया। इस दौरान गले से सोने की चेन व पॉकेट से दस हजार रुपये छीन लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारुति कार में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब मिली

छपरा/मशरक, एजेंसी। मशरक के महाराणा प्रताप चौक पर वाहन जांच के क्रम में मारुति कार के तहखाना में से भारी मात्रा में सौ से ज्यादा लीटर अंग्रेजी शराब उत्पाद विभाग की टीम ने जब्त किया। कार चालक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शराब तस्कर मो बदीउज्जमा पिता मो तकी मुफस्सिल समस्तीपुर के विक्रमपुर बांदे गांव का निवासी है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों द्वारा पूछताछ में स्वीकार किया कि उक्त शराब यूपी के कुशीनगर से ला रहा था जिसे समस्तीपुर में बिक्री किया जाना था।

सुल्तानगंज से देवघर बॉर्डर तक बनेगा फोरलेन हाइवे श्रावणी मेला के बीच सम्राट चौधरी का ऐलान

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में स्थित सुल्तानगंज से देवघर (झारखंड) बॉर्डर तक कांवरियों के लिए फोरलेन हाइवे बनाया जाएगा। राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सोमवार को सुल्तानगंज स्थित अजगैवीनाथ धाम के नमामि गंगे घाट पर श्रावणी मेला 2024 के उद्घाटन के अवसर पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए पथ निर्माण विभाग और प्रशासन तैयारी शुरू करे, जितनी राशि की जरूरत होगी, सरकार देगी। उन्होंने निर्माणाधीन अगुवानी पुल से एक रास्ता अजगैवीनाथ धाम तक लाने और यहां से बिना शहर में प्रवेश किए सीधे तारापुर रोड में कनेक्ट करने की भी घोषणा की। इससे पहले वैदिक मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच सम्राट चौधरी ने श्रावणी मेला का उद्घाटन किया। समारोह के मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने भी अजगैवी नगरी सुल्तानगंज के विकास का पूरा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वह इसी धरती के रहने वाले हैं और इस मेला की महिमा से अवगत हैं। दुनिया में इस मेला से बढ़कर सेकुलरिज्म का दूसरा उदाहरण नहीं होगा। यहां हर जाति वर्ग का समागम दिखता है। सिर्फ बिहार ही नहीं दूसरे राज्यों के अलावा नेपाल, भूटान, बांग्लादेश सहित अन्य देशों से लोग आते हैं और सबका एक ही नारा होता है- बोल बम।

सुल्तानगंज और भागलपुर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी न किसी कारण से यहां कुछ काम अटकता रहा है। नमामि गंगे घाट के लिए राशि दी गई, वह पूरी नहीं हो सकी। अगुवानी पुल 2014 से अधूरा है। लेकिन अब काम आगे बढ़ेगा। भरोसा दिलाते हैं कि काम पूरा कराएंगे। अगुवानी पुल का नया सुपर स्ट्रक्चर बनेगा और योजना में बदलाव करने को भी कहा गया है। पुल से एक रास्ता कांवरियों के लिए सीधे अजगैवीनाथ धाम तक आएगा और यहां से ऐसी सड़क बनाई जाएगी जो सीधे तारापुर रोड में जुड़ जाए। ताकि कांवरिया यहां स्नान पूजा कर बिना सुल्तानगंज की तंग सड़कों पर गए बाबाधाम के लिए रवाना हो जाएं।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि अंग क्षेत्र और चंपापुरी के लोगों ने अपनी संस्कृति और विरासत को सहेजा है। मोदी सरकार गुलामी के प्रतीक से भारत को मुक्त करेगी। अजगैवीनाथ धाम को फिर से पुराना गौरव दिलाना है। मां भारती के संतान अपनी विरासत और धरोहर को सहेजने के लिए हर काम करेंगे। उन्होंने अंग क्षेत्र के विकास का पूरा भरोसा दिया। वहीं राजस्व मंत्री ने कहा कि अभी जो सरकार है उसमें अजगैवी नगरी के विकास के लिए अच्छा मौका है। यहां के विकास के लिए जो प्रस्ताव आएगा उसमें उनका विभाग तत्परता से काम करेगा। जिस तरह से बोधगया का विकास हुआ है उसी तरह से यहां का विकास भी होगा। यहां के लोग खुशनसीब हैं कि बाबा के भक्तों का सेवा करते हैं।

बिहार के इन 10 शहरों से हवाई सेवा जल्द शुरू होगी एयरपोर्ट बनने के बाद उड़ान भरेंगे छोटे विमान

पटना , एजेंसी। बिहार के 10 और शहरों में जल्द ही हवाई सेवा शुरू होने वाली है। छोटे विमानों के लिए उड़ान 5.2 योजना के तहत राज्य के 10 छोटे शहरों को विमान सेवा मार्ग से जोड़ने के लिए बोलियां प्राप्त हो गई हैं। इनमें वीरपुर, सहरसा, भागलपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, वाल्मीकिनगर, मोतिहारी, रक्सौल, मधुबनी और छपरा को शामिल किया गया है। अब इन शहरों में एयरपोर्ट के विकास पर काम होगा और उसके बाद हवाई सेवा की शुरुआत होगी। शुरुआत में इन शहरों से 20 सीटर से कम क्षमता वाली फ्लाइट उड़ाने की योजना है। राज्यसभा में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद डॉ. भीम सिंह के तारांकित प्रश्न के जवाब में नागर विमानन मंत्री केआर नायडू ने सदन को यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि आरा, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ, भागलपुर, बिहारशरीफ, बिहटा, वीरपुर, बक्सर, छपरा, डेहरी-ऑन-सोन, फारबिसगंज, हथुआ, जहानाबाद, जोगबनी, कटिहार, किशनगंज, मधुबनी, मोतिहारी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, रक्सौल, सहरसा और वाल्मीकिनगर उड़ान योजना के तहत असेवित एयरपोर्ट सूची में है। उड़ान एक सतत योजना है। इसके तहत और अधिक गंतव्य मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली लगाई जाती है। उड़ान 2.0 के तहत दरभंगा हवाई अड्डे को जोड़ने के लिए बोलियां प्राप्त हुई थीं। अभी दरभंगा से मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु के लिए हवाई सेवा की शुरुआत की गई है। 5.2 उड़ान के तहत छपरा, वीरपुर, सहरसा, भागलपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, वाल्मीकिनगर, मोतिहारी, रक्सौल और मधुबनी को शामिल किया गया है। केंद्र ने बिहार सरकार से इन शहरों से विमानों का परिचालन शुरू करने के लिए हवाई अड्डे के विकास और भविष्य में विस्तार के लिए भूमि की उपलब्धता की मांग की है। साथ ही सुरक्षा, अग्निशमन सेवाओं, मौसम संबंधी सेवाओं और हवाई अड्डों के परिचालन और प्रबंधन के प्रावधान के लिए दायित्व के संबंध में अपनी सहमति और पुष्टि प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

औरंगाबाद में 2 महिलाओं ने खाया जहरीला पदार्थः एक ने किया आत्महत्या का प्रयास

वहीं दूसरी ने गलती से किया सेवन, इलाज के बाद आई घर

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में पारिवारिक कलह से तंग आकर एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वहीं, एक महिला ने गलती से कीटनाशक दवाई पी ली। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामनगर गांव की है। रामनगर गांव निवासी अवधेश कुमार की पत्नी पिंकी कुमारी(22) आपसी विवाद में जहर खा कर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। लेकिन समय रहते घर वालों ने पिंकी कुमारी का इलाज सदर अस्पताल में किया। पहले तो परिजनों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। बताया जाता है कि स्वजन घर से बाहर गए थे। महिला ने अचानक से जहर खा कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का फैसला कर लिया। इस संबंध में पिंकी के परिजनों ने कुछ ज्यादा जानकारी नहीं दी। सदर अस्पताल में इलाजोपरांत महिला पिंकी की स्थिति खतरे से बाहर है। स्वजन घर लेकर चले गए।

दूसरी घटना नगर थाना क्षेत्र के कर्मा रोड की है। जहां रात्रि में लाइट नहीं रहने के कारण अंजू देवी कीटनाशक दवा का उपयोग कर ली। इसके कारण वह बेहोश होकर गिरने लगी। परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक इलाज कर प्वाइजन फैलने से रोका और प्राथमिक इलाज के बाद महिला को घर भेज दिया।

10 रुपये गिराकर ठेकेदार से 22 लाख का बैग उड़ाया, पटना में फिर सक्रिय हुआ नोट गैंग

पटना , एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में नोट गैंग फिर से सक्रिय हो गया है। इस गिरोह के बदमाश नोट जमीन पर गिराकर लोगों को उलझाते हैं और फिर उनका कीमती सामान एवं कैश उड़ाकर रफूचक्कर हो जाते हैं। ताजा मामला शास्त्री नगर इलाके का है। यहां सोमवार दोपहर करीब एक बजे विश्वेश्वरैया भवन के पास सहरसा जिले के रहने वाले एक ठेकेदार से ऐसी ही ठगी हुई। बदमाशों ने 10 रुपये का नोट गिराकर ठेकेदार के ड्राइवर को झांसे में ले लिया और फिर गाड़ी में रखा 20 लाख रुपये से भरा बैग उड़ा लिया। पीड़ित ठेकेदार हरिशंकर झा ने पुलिस थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

दरअसल, पीड़ित ठेकेदार किसी काम से तीन अन्य लोगों के साथ विश्वेश्वरैया भवन आए थे। उनके ड्राइवर ने सड़क किनारे ही गाड़ी खड़ी कर दी। इसके बाद ठेकेदार विश्वेश्वरैया भवन के अंदर चले गए। इस बीच उनके ड्राइवर के पास एक व्यक्ति आया और सड़क पर 10-10 के नोट गिरे होने की बात कह कर आगे चला गया। ड्राइवर ने जब नीचे देखा तो नोट गिरे मिले। लालच में आकर वह रुपये उठाने लगा तभी बदमाशों ने गाड़ी में रखे बैग को निकाल लिया और भाग गए। ड्राइवर जब पीछे की ओर गया तो गाड़ी का गेट खुला देखा। अंदर रखा रुपये से भरा बैग भी गायब था। यह देख उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत अपने मालिक को खबर दी।

ड्राइवर ने जब ठेकेदार को पूरी बात बताई तो वे समझ गए कि बदमाशों ने चकमा देकर रुपये निकाल लिए हैं। इसके बाद वे शास्त्रीनगर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। थानेदार अमर कुमार के मुताबिक घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। अपराधी पैदल या बाइक से आए थे, इसका पता नहीं चल सका है। ठेकेदार ने बताया कि वे दूसरे को रुपये देने सहरसा से पटना आए थे। पटना में नोट गिराकर ठगी करने वाला यह गैंग फिर सक्रिय हो गया। पूर्व में भी इस गिरोह ने राजधानी के कंकड़बाग, गांधी मैदान, एसके पुरी सहित अन्य इलाकों में नोट गिराकर ठगी की थी। यह गिरोह गाड़ी से डीजल या पेट्रोल गिरने की बात कहकर भी ड्राइवर को चकमा देता है। फिर अपराधी अंदर रखे सामानों को लेकर आसानी से फरार हो जाते हैं।

रोजगार से युवा अपने सपनों को कर सकते हैं साकार

छपरा/दरियापुर, एजेंसी। युवा रोजगार कर के भी अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। इसलिए युवाओं को रोजगार की ओर भी अग्रसर होने की जरूरत है। उक्त बातें डेरनी के सुतिहार में आयोजित स्टार्टअप इंडिया के तहत युवा संवाद में जेपीयू यूनिवर्सिटी के कुलपति परमेंद्र बाजपाई ने कही। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा हासिल करना बहुत जरूरी है।लेकिन केवल नौकरी के उद्देश्य से उच्च शिक्षा हासिल करना मकसद नहीं होना चाहिए।उद्योग लगा कर और अपना स्वरोजगार कर भी युवा अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। संचालन व संयोजन बीजेपी नेता सुमंत बाबा ने की। युवाओं की तरफ से कुलपति को अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अनिल सिंह, राजू सिंह, अखिलेश सिंह, मोनू सिंह, मुकेश कुमार, राजविकाश, सुनील गुप्ता, छोटे बाबू, पवन भगत, अमरेश सिंह, राजन बाबा, राजू तिवारी, चंदन साह व अन्य ने भाग लिया।

नाचते-झूमते बंगाल के कांवरिया देवघर रवाना

बोल-बम के नारों से गूंजमन कमरिया पथ, देश के कई हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालु

भागलपुर, एजेंसी। सावन की शुरुआत होते ही सुल्तानगंज में कांवरियों की भीड़ बढ़ने लगी है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाकर बाबा धाम देवघर के लिए रवाना हो रहे हैं। इसके साथ ही कांवरिया पथ बोलबम के जयकारे से गुंजायमान हो रहा है।

लंबी दूरी तय कर नाचते गाते जाते हैं श्रद्धालु : श्रद्धालु 105 किलोमीटर की लंबी दूरी पैदल तय करते हुए 2 से 3 दिनों में देवघर पहुंचते हैं। कच्ची कांवरिया पथ के रास्ते सभी कांवरिया झूमते गाते बाबा बैद्यनाथ की नगरी को रवाना हो रहे हैं। इस दौरान पश्चिम बंगाल से आए कुछ कावरियों का जत्था बाबा नगरी को रवाना हो रहा है। शैलेश चटर्जी नाम के एक बम भी कच्ची कांवरिया पथ पर गाने की धुन पर जमकर थिरके। उनके साथ अभिषेक बम ने भी शिव के गानों पर डांस किया। इस बार कई राज्यों से आ रहे कांवरियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ धाम की धरती सावन माह के शुरू होते ही भगवामय हो जाती है। सुल्तानगंज में श्रावणी मेला को लेकर गंगा जल उठाने के लिए कांवरियों का जत्था पहुंचने लगा है। इसके साथ ही सैकड़ों कांवरिया यहां से जल उठाकर रवाना भी हो रहे हैं। वैसे तो सावन शुरू होने से पहले ही हजारों कांवरिया सुल्तानगंज पहुंच जाते हैं, क्योंकि सावन के पहले दिन ही कई श्रद्धालुओं को उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर बाबा बैद्यनाथ पर चढ़ाना होता है।

पूरे देश से पहुंच रहे श्रद्धालु

उत्तरवाहिनी गंगा से जल उठाने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं का जत्था सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम पहुंच रहा है। कांवरिया यहां से जल लेकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हो रहे हैं।

बिहार में नगर सरकार में पार्षद पर कसेगा शिकंजा

मुख्य पार्षद-उप मुख्य पार्षद के खिलाफ 2 साल में नहीं ला सकेंगे अविश्वास प्रस्ताव

पटना, एजेंसी। नगर सरकार यानी नगर परिषद और नगर पालिका पर बिहार सरकार शिकंजा कसने जा रही है। सरकार यहां पार्षदों की मनमानी पर रोक लगाएगी। इसके लिए बिहार नगरपालिका (संशोधन) विधेयक-2024 विधानसभा के मानसून सत्र में पेश करेगी। इसमें नगर पालिका के नियमों में 20 से ज्यादा संशोधन किए गए हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है, पार्षद की तरफ से दो साल में नगर परिषद में पेश किया जाने वाला अ?विश्वास प्रस्ताव। नए संशोधन में इस प्रक्रिया को सरकार पूरी तरह से समाप्त करने जा रही है। नए संशोधन में अविश्वास प्रस्ताव संबंधी प्रावधानों को विलोपित कर दिया जाएगा।

पार्षदों के बीच बढ़ती है गुटबाजी : इसे समाप्त करने के पीछे सरकार का तर्क है कि पार्षदों के पास ये अधिकार रहने से निर्वाचित पार्षदों के बीच गुटबाजी और अनुचित दबाव बढ़ता है। इसके कारण नगरपालिका के विकास कार्य प्रभावित होते हैं। दरअसल, बिहार नगरपालिका अधिनियम,-2007 में मुख्य पार्षद/उप मुख्य पार्षद का चुनाव प्रत्यक्ष तरीके से करने का प्रावधान है। लेकिन, वार्ड पार्षदों की तरफ से इनके खिलाफ दो वर्षों के बाद अविश्वास प्रस्ताव लाने का अधिकार है। इसका राज्य के कई जिलों में गलत इस्तेमाल भी हो रहा है।

नगर पालिका राज्य सरकार के निर्देश पर नहीं कर सकेंगे विचार : इसके साथ ही सरकार की तरफ से नगरपालिका के उन अधिकारों को भी कम करने का प्रावधान किया गया है, जिसके तहत पार्षद सरकार के नियम का विरोध करते हैं। इसके खिलाफ प्रस्ताव लाते हैं। प्रस्तावित बिल में सरकार के नियम के खिलाफ प्रस्ताव पर मुख्य पार्षद और पीठासीन पदाधिकारी की तरफ से भी विचार नहीं किया जाएगा। अगर इस तरह का प्रस्ताव आता भी है तो इसे नगरपालिका पदाधिकारी की तरफ से विचार के लिए सरकार को भेजा जाएगा।

विश्वविद्यालय सेवा आयोग को शिक्षक नियुक्ति का मिलेगा अधिकार : सरकार मानसून सत्र में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (संशोधन) 2024 भी पेश करेगी। इसमें दो संशोधन किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य आयोग को शिक्षक नियुक्ति का वृहत अधिकार देना है। फिलहाल आयोग के पास विश्वविद्यालयों और अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति का अधिकार है, लेकिन राज्य के शिक्षा विभाग के अधीन आने वाली शिक्षण संस्थानों में शिक्षक नियुक्ति का अधिकार फिलहाल नहीं है।

बिहार बोर्ड ऑनलाइन ले सकता है इंटर तक की परीक्षा

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति अब मैट्रिक और इंटर की परीक्षाएं ऑनलाइन भी ले सकेगा। इसके लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की परीक्षाओं में आधुनिक तकनीक, सूचना एवं प्रावैधिकी/ कम्प्यूटराईजेशन का प्रयोग होगा। सरकार ने विधानमंडल के चालू मानसून सत्र में ही बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (संशोधन) विधेयक, 2024 भी पारित कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के मुताबिक अब किसी भी डिग्री महाविद्यालयों में इंटर की पढ़ाई नहीं होगी। इसलिए इंटर तक जिन संस्था में पढ़ाई जाएगी, वह बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से संबद्ध समझी जाएंगी।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों का आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

- नवम वर्ग में नामांकन के लिए आधार कार्ड का होना अनिवार्य
- जिला में अभी तक 6 लाख बच्चों का आधार कार्ड बन गया है शेष 3 लाख बच्चों का अभी भी आधार कार्ड बनाया जाना है बाकी
- मेडिकल टीम बनाकर बच्चों का होगा हेल्थ चेकअप, दी जाएगी जरूरी दवाई

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में शिक्षा विभाग के समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों का आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिला में अभी तक लगभग 6 लाख बच्चों का आधार कार्ड बन गया है शेष 3 लाख बच्चों का अभी भी आधार कार्ड बनाया जाना है जिसके लिए जिला के 49 हाई स्कूल केंद्रों पर आधार कार्ड बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रखंड स्तर पर समीक्षा करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक को वैसे बच्चों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया जिनका आधार कार्ड अभी तक नहीं बन पाया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि नवम वर्ग में नामांकन के लिए आधार कार्ड का होना अनिवार्य है इसलिए वैसे बच्चे जिनके आधार कार्ड अभी नहीं बना है

वह आठवीं क्लास के नीचे के हीं छात्र होंगे। जिलाधिकारी के द्वारा जिला के सभी विद्यालयों का शत प्रतिशत निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया एवं कहा गया कि विद्यालय में जो भी कमी पाई जाए उसकी सूची बनाकर जिला को उपलब्ध कराया जाए ताकि उस पर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रों को वितरित की जाने वाली एफएलएन किट को समय से वितरित करा दिया जाए एवं पाठ्य पुस्तक भी कहीं बचा हुआ नहीं रहना चाहिए, जो भी उपलब्ध है, छात्रों में उसका वितरण सुनिश्चित कराई जाए। इस पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में पेरेंट्स टीचर मीटिंग में अभिभावकों की उपस्थिति में समारोह पूर्वक कार्यक्रम कर एफएलएन किट का वितरण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी के द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन की समीक्षा की गई। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक प्रखंड में एक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अवस्थित है जहां पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की बच्चियों का नामांकन होता है। इस विद्यालय में छठे वर्ग में नामांकन लिया जाता है। असैनिक कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जहां कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है वहां तुरंत कार्य को प्रारंभ कराई जाए एवं उसे समय से पूर्ण कराने का निर्देश सभी कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता को दिया गया। सभी विद्यालयों में एमडीएम का नियमित संचालन हो इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि वर्तमान में जिला के सभी विद्यालयों में एमडीएम का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है। विद्यालय में नामांकित दिव्यांगजन छात्रों को यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रखंड स्तर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी आपस में समन्वय बनाकर इसके लिए कैंप मोड में बच्चों का यूडीआईडी कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें सरकार के द्वारा देय लाभ मिल सके। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में माह में एक दिन छात्राओं का हेल्थ चेकअप कराने का निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इसके लिए टीम बनाकर वहां पढ़ने वाली बच्चियों का हेल्थ चेकअप कराया जाए तथा वहां पर कुछ सामान्य दवा भी रहे ताकि बच्चियों को समय से दवा उपलब्ध हो सके। एक दूसरी बैठक जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई जिसमें बिहार शिक्षा परियोजना पूर्वी चंपारण के जिला कार्यकारिणी समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में किए गए व्यय के अनुमोदन के साथ-साथ जून 2024 तक किए गए न्याय को अनुमोदित किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 तक स्वीकृत सभी असैनिक कार्यों को अनुमोदित करते हुए ससमय सभी कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा प्रारम्भ

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर मंगलवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा शोरमुक्त व नकलमुक्त प्रारंभ हो गई। एलएनडी कॉलेज के प्रभारी केंद्राधीक्षक डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि इस केंद्र पर बीआरएबीयू के अनुदेशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए परीक्षा संबंधी आचार संहिता के अनुकूल शांतिपूर्ण परीक्षा संचालित की जा रही है। यह केंद्र शोरमुक्त व नकलमुक्त परीक्षा के लिए सदा प्रसिद्ध रहा है। इस केंद्र पर नकल बिल्कुल नगण्य है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार मंगलवार को सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर के लिए प्रथम पाली में ग्रुप ए के इतिहास मेजर व द्वितीय पाली में ग्रुप बी के दर्शन शास्त्र, राजनीति विज्ञान व जंतु विज्ञान मेजर पत्र की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 594 परीक्षार्थियों में 575 उपस्थित व 19 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 525 परीक्षार्थियों में 518 उपस्थित व 7 अनुपस्थित रहे। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। संयुक्त केंद्राधीक्षक डॉ.कुमार राकेश रंजन ने बताया कि बुधवार को प्रथम पाली में ग्रुप सी के प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति, गृह वज्ञान, हिंदी व संस्कृत तथा द्वितीय पाली में ग्रुप डी के वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूगोल व समाज शास्त्र मेजर पत्र की परीक्षा ली जाएगी। ज्ञात हो कि इस केंद्र पर डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मोतिहारी, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कालेज एवं केएसआरएन एस कालेज केसरिया के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा के संचालन में डॉ.प्रभाकर कुमार, डॉ.शंभु नाथ सिंह, हितेश कुमार सिंह, ऋषि कुमार, एनसीसी कैडेट्स बिट्टू कुमारी, प्रियांशु कुमारी आदि की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना अंतर्गत लाभुकों को डीएम ने दिया राशि

बीएनएम। मोतिहारी

मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना अंतर्गत सामाजिक पुनर्वास के तहत मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में 28 महिलाओं को 10,000.00 रुपये प्रति महिला की दर से 2,80,000.00 रुपये का लाभ आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से दिया गया। सामाजिक पुनर्वास कोष की राशि वैसे महिलाओं को दी जाती है जो घरेलू हिंसा एवं मानवता से उत्पीड़ित हो तथा जिनका वाद वन स्टॉप सेंटर में दर्ज, थाना में दर्ज वाद, महिला विशेष कोषांग में पंजीकृत पीड़ित महिलाएं या मुख्य मंत्री/जिलाधिकारी के जनता दरबार से अनुशंसित आवेदन की पीड़ित महिलाएं को यह राशि दी जाती है ताकि प्राप्त राशि से पीड़ित महिला जीविकोपार्जन से संबंधित कोई रोजगार प्रारंभ कर सकें। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी, जिला परियोजना प्रबंधक विनय प्रताप सिंह, महिला एवं बाल विकास निगम, जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी एवं जेंडर स्पेशलिस्ट एजाजुल अंसारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

खरवा मुशहर टोला से जिला स्तरीय 'स्टॉप डायरिया'' अभियान की हुई शुरुआत

बीएनएम। मोतिहारी

- जन-जागरूकता से होगी डायरिया की रोकथाम
- बाढ़ प्रभावित स्थानों पर सतर्कता बरतनी जरूरी

जिले के बंजरिया प्रखंड स्थित खरवा मुसहर टोली में मंगलवार को 'स्टॉप डायरिया अभियान-2024' का शुभारंभ किया गया। डायरिया से होने वाली मृत्यु को शून्य तक लाने के उद्देश्य पर बल देने के लिए इस महत्वपूर्ण अभियान को 22 सितंबर तक चलाया जाएगा। उण्क्त बातें कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिले के सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहीं। उन्होंने बताया की भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष इस अभियान को एक पखवाड़े से विस्तारित करते हुए 2 माह तक चलाने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत डायरिया से बचाव, उसकी रोकथाम एवं उपचार हेतु संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता से संबंधित कई अहम गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के वृहत आयामों को ध्यान में रखते हुए 2 माह तक स्वास्थ्य विभाग सहित 6 महत्वपूर्ण सरकारी विभाग समन्वित एवं सक्रिय भूमिका निभाएँगे। इस अवसर पर उपस्थित स्कुल के बच्चे व जनसमूह को बताया गया कि यह अभियान हमारे बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि आज भी डायरिया

बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। एक अनुमान के अनुसार राज्य में प्रति वर्ष लगभग 27 लाख बच्चे डायरिया से पीड़ित होते हैं जिनमें से कईयों की जान चली जाती है। डायरिया एक आसानी से ठीक होने वाली बीमारी है लेकिन इसके लिए इसका ससमय पहचान, रेफरल एवं उपचार आवश्यक है।

डायरिया एक संक्रामक बीमारी है जो दूषित पानी या खाद्य पदार्थों के सेवन से होता है:- जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी डॉ. शरतचन्द्र शर्मा 'स्टॉप डायरिया अभियान' ने कहा कि डायरिया एक संक्रामक बीमारी है जो सामान्यतः जीवाणु या विषाणु के कारण होता है। यह बीमारी तब फैलती है जब कोई स्वस्थ व्यक्ति गंदे हाथों से भोजन करता है या संक्रमित व्यक्ति के मल में मौजूद रोगाणुओं से दूषित पानी या खाद्य पदार्थों का सेवन करता है। इसीलिए डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए हमें खुले में शौच से परहेज एवं शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना बहुत आवश्यक है। साथ ही हमें दूषित पेयजल एवं खाद्य पदार्थों के सेवन से भी परहेज करना चाहिए। इस अवसर पर बताया गया कि अभियान के अंतर्गत, राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में जिंक-ओआरएस कॉर्नर की स्थापना की जाएगी जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी उपलब्ध रहेंगे।

बाढ़ प्रभावित स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतनी जरूरी:- आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों वाले सभी परिवारों के घर ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे। डीसीएम नंदन झा, यूनिसेफ के धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि डायरिया पर नियंत्रण के लिए 6 माह तक शिशु को केवल स्तनपान, पर्याप्त पूरक आहार और विटामिन-ए देने की आवश्यकता है। उन्होंने रोटा वायरस के टीकाकरण को भी महत्वपूर्ण बताया। एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान ने कहा की बाढ़ प्रभावित स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतनी जरूरी है। यदि बच्चे को डायरिया हो जाए तो जिंक-ओआरएस का प्रयोग असरकारी होता है। डायरिया के गंभीर मामलों के अस्पताल में उपचार की भी विशेष व्यवस्था होती है जहाँ इसके लिए विशेष वार्ड बनाए गए हैं। पीरामल फाउंडेशन से डीएल मुकेश कुमार ने डायरिया की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयासों एवं जनसामान्य में इसके प्रति जागरूकता फैलाने पर पर बल दिया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी 6 सरकारी विभागों के साथ-साथ पंचायत राज संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से भी बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बंजरिया, चिकित्सा पदाधिकारी, बीसीएम, काउंसलर सहित अन्य विभागों के जिला राज्यस्तरीय पदाधिकारी तथा यूनिसेफ, चाई एवं पिरामल स्वास्थ्य के जिला प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों के अधिकारो में कटौती को लेकर हुई आपात बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिला परिषदीय सभागार में सरकार द्वारा त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों के अधिकारो में लगातार हो रही कटौती को लेकर शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के अध्यक्षता में एक आपात बैठक का आयोजन किया गया। श्री राय के द्वारा बताया गया कि विगत्त कई वर्षों से लगातार त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्था जिन्हे संवैधानिक अधिकार प्राप्त है उनके अधिकारों का कटौती किया जा रहा है। बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 के लागु होने बाद भी संवैधानिक अधिकारो का कटौती होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री राय के द्वारा बताया गया कि पंचायत सरकार भवन, नल-जल योजना, समेकित बाल विकास परियोजना, रोगी कल्याण समिति में अधिकारो में कटौती कर संवैधानिक संस्था को कमजोर

करने का प्रयास किया जा रहा है। स्पष्ट रूप से कहा कि एक तरफ सरकार का निर्देश है कि योजनाओ को शीघ्र पुरा कराकर राशि खर्च की जाय, दूसरी तरफ सरकार द्वारा कई बंदिशे लगा दी जाती है जैसे कि एक अभिकर्ता को तीन योजना से ज्यादा नहीं करना है। संविदा कर्मी को अभिकर्ता नहीं बनाना है। योजनाओं का भुगतान मजदूर के खाते में भेजना परन्तु षष्टम् राज्य वित् आयोग योजना अन्तर्गत अब तक मजदूरो का भुगतान ऑनलाईन पोर्टल में कमी के कारण नहीं हो पा रहा है। श्री राय के द्वारा यह भी बताया गया कि मुखिया और प्रमुखो को प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित कर कर्मी के माध्यम से आवंटन किया जा रहा है जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितता देखी जा रही है।

कहा कि अब पंचायत निर्माण कार्य मैनुअल पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार द्वारा लागु किया गया है जिसमें योजनाओ का कार्यान्वयन विभागीय न करारकर निविदा के माध्यम से कराना है। उनके द्वारा बताया गया कि त्रिस्तरीय पंचायतो द्वारा भौगोलिक तथ्यो को ध्यान में रखकर तथा जरूरत के अनुसार योजनाओ का कार्यान्वयन करना होता है लेकिन निविदा होने से ऐसा कर पाना संभव नहीं है। श्री राय ने कहा कि बिहार सरकार को हर हाल में निविदा के प्रस्ताव को रद्द करना होगा तथा लगातार हो रही त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओ के अधिकारो में कटौती में कम करना होगा वरना त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि बाध्य होकर सड़क से न्यायालय तक का शरण लेंगे। श्री राय ने समेत बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियो ने निर्णय लिया कि संबंधित क्षेत्र के सभी विधायक/विधान पार्षद से मिलकर त्रिस्तरीय पंचायतो में हो रही लगतार कटौती पर रोक लगाने तथा इस मसले को विधान सभा पटल पर रखने का अनुरोध किया जायेगा तथा अगर इस मसले को विधायक/विधान पार्षदो द्वारा निदान नहीं कराया जाता है तो सभी त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि अपने लडाई स्वयं लड़ेंगे और आने वाले चुनावो में पुरजोर विरोध होगा। इस बैठक में उपाध्यक्ष, जिला परिषद्, गीता देवी, जिला परिषद सदस्य पंकज द्विवेदी, नसीम अख्तर, दिलीप कुमार, इश्वरचन्द मिश्रा, श्याम सुंदर सिंह, मो. नूर आलम खां, विजय कु. सिंह, सोनालाल साह, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष शशिभूषण सिंह, प्रमुख कुमारी रीना, अमित कुमार, संगिता कुमारी, जानकी देवी, महेश पासवान, धर्मेन्द्र कुमार, विभा देवी, जफीर आलम, धिरेन्द्र कुमार, मिथलेश कुमार, मुखिया राजु बैठा, प्रेमशंकर यादव, रामएकबाल राय, फैजुर रहमान उर्फ मुन्ना, किशोरी सहनी, लालबाबू साह, अशोक कुमार, नेयाब आलम, गोपाल राय, सुनिल टाईगर, जितेन्द्र कु. यादव, उपेन्द्र राय, जिलाध्यक्ष वार्ड सदस्य संघ राजीव रंजन सहित अन्य शामिल रहे।

नल जल योजना खराब होने से ग्रामीण परेशान

बीएनएम। मोतिहारी

प्रखंड के तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के वार्ड 7 में नलजल योजना फिसड्डी साबित हो रही है। नल जल योजना खराब होने से ग्रामीण परेशान हैं। चापाकल के 40-50 फीट का पानी पीने को विवश हैं। गर्मी के मौसम में शुद्ध पेयजल नहीं मिलने से ग्रामीणों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। गौरतलब है कि सरकार द्वारा नलजल की मरम्मती का कार्य पीएचईडी को दिया गया है। बावजूद इसके नलजल खराब होने पर सही समय पर मरम्मत नहीं किया जाता है। यही कारण है कि वार्डवासी शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं। इस बाबत मुमताज आलम, सैयद अनिशुर्रहमान, अजमल कमाल, नजरे आलम, कौशर आलम, मासूम अख्तर, सईम अंसारी, अमीरुल्लाह अंसारी, हबीबुल्लाह अंसारी, ईमाम राजा, आजम आलम, बलिस्टर आलम, सोनू आलम, अशरफ अली व फिरोज आलम आदि ग्रामीणों का कहना था की पहले वार्ड के वार्ड सदस्य के जिम्मे नलजल चालू रखने का जिम्मेदारी था। तब सुचारू रूप से नलजल चलता था। लोगों को समय से पानी मिलता था। लेकिन जब से सरकार द्वारा पीएचडी को नल-जल योजना को चालू रखने एवम रख रखाव की जिम्मेदारी दी गई है तब से यह समस्या उत्पन्न हो गई है। नल-जल में किसी प्रकार का समस्या आने पर ससमय मरम्मत नही कराया जाता है। यही कारण है कि पानी सप्लाई करने में हमेशा समस्या लगा रहता है। लगभग 2 महीनो से नलजल योजना ठप पड़ा है। गर्मी के कारण पानी की बहुत ज्यादा आवश्यकता होती है। गांव के सभी लोग पानी नहीं मिलने से परेशान हैं। पीएचडी विभाग के जेई शशिधर ने बताया की मेरा ट्रांसफर हो गया है। तुरकौलिया में दूसरा जेई का नियुक्ति हुआ है। शीघ्र ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

MADAN RAJ NURSING HOME
MR NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाराजा स्टेडियम में होगा मुख्य समारोह का आयोजन

- जिलाधिकारी द्वारा की गयी तैयारियों की समीक्षा

बीएनएम। बेतिया

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उदेश्य से की जा रही तैयारियों की समीक्षा समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय द्वारा की गयी। समीक्षा के क्रम में प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, विपिन कुमार यादव द्वारा बताया गया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। इस हेतु तैयारियां प्रारंभ कर दी गयी है। इस अवसर पर मुख्य समारोह स्थल स्थानीय महाराजा स्टेडियम में झंडोतोलन किया जाएगा। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने सफलतापूर्वक स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न कराने हेतु निर्देश दिया कि सभी संबंधित अधिकारी वरीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपने-अपने दायित्वों का ससमय निवर्हन करेंगे। दिये गये दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि मैदान एवं सड़क की समुचित साफ-सफाई सफाई नगर आयुक्त, बेतिया द्वारा कराया जायेगा। कार्यक्रम स्थल के आसपास गंदगी न हो, इसे सुनिश्चित करेंगे। मैदान में पेयजल की व्यवस्था भी नगर आयुक्त, बेतिया एवं कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी द्वारा की जायेगी। नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया शहर के चौक-चौराहों पर स्थापित महापुरूषों की प्रतिमा एवं उसके चारों तरफ सफाई भी कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही नगर निकायों के सभी कार्यपालक पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में महापुरूषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं माल्यापर्ण करायेंगे। जिलाधिकारी ने सार्जेंट मेजर को निर्देश दिया कि परेड का रिहल्सल करते हुए अच्छे तरीके से परेड का संचालन कराएंगे। जिला नजारत उप समाहर्ता मंच की तैयारी एवं साज-सज्जा बेहतर

तरीके से कराएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी द्वारा अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि आमंत्रण पत्र ससमय माननीय प्रभारी मंत्री सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधिगण को उपलब्ध करा दिया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले के सभी कार्यालय प्रधान अपने अपने कार्यालय में झंडोतोलन कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही महादलित बस्तियों में भी झंडोतोलन कराना सुनिश्चित किया जाय। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन, रामानुज प्रसाद सिंह नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया, शंभु कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर, विनोद कुमार, वरीय उप समाहर्ता-सह-प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, विपिन कुमार यादव, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 21 जुलाई रविवार को शुरू हुआ

तीन चक्र समाप्ति के बाद आदित्य राज पहले और चार खिलाडियों शिवांश बरनवाल, अभीराज गोयल, सूरज कुमार और रमेश पासवान संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पे चल रहे हैं!

बीएनएम। बेतिया

अखिल बिहार शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त चंपारण शतरंज अकादेमी के द्वारा अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस 20 जुलाई को पूरे देश में मनाया जा रहा है उसको यादगार मनाने के लिए चंपारण शतरंज एकेडमी दो प्रतियोगिता आयोजन ऑफलाइन और ऑनलाइन में की है। ऑनलाइन प्रतियोगिता 20 जुलाई शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर रात 8 बजे से प्रतियोगिता हुआ जिसमें पूरे देश और राज्य से कुल 77 खिलाडियों ने भाग लिया था और इस प्रतियोगिता में अकादेमी के कोच रामचरण को तीसरा रैंक मिला वही ऑफलाइन में रविवार को कोतवाली चौक बेतिया स्थित चंपारण शतरंज अकादेमी के सभागार में शुरू हुआ अकादेमी के संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन ने बताया कि यह प्रतियोगिता स्विस सिस्टम पर चार चक्र में मैच खेला जाएगा जिसमें तीन चक्र का मैच खेला जा चुका था।

तीसरे चक्र का परीणाम- आदित्य राज ने शिवांश बरनवाल को, अभीराज गोयल ने शाहिद हुसैन को, रमेश पासवान ने लकी खान को, सूरज कुमार ने कबीर बाराक को, रंजीत प्रसाद ने कुमार कृशव, को हराया।

तीन चक्र समाप्ति के बाद शीर्ष 10 खिलाड़ी

1-आदित्य राज - 03
2-शिवांश बरनवाल-02
3- अभीराज गोयल-02
4- सूरज कुमार - 02
5-रमेश पासवान- 02
6- लकी खान - 01
7-शाहिद हुसैन - 01
8-कुमार कृशव - 01
9- पाखी पाबीजा - 01
10- कबीर बाराक - 01

चार चक्र समाप्ति के बाद परीणाम घोषित किया जाएगा जिसमें से टॉप तीन खिलाड़ियों को ट्रॉफी, केटेगरी प्राइसेज में मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा और सभी खिलाडियों को डिजिटल ई सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लोहे के प्लेट के साथ तीन चोर गिरफ्तार, जेल

बीएनएम। रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के एक निर्माणाधीन सरकारी पुल से ग्रामीणों के सहयोग से लोहे के चार प्लेट के साथ तीन चोरों को रामगढ़वा पुलिस के द्वारा रात्रि के 3:00 बजे सतपिपरा से मदन परसौना रोड में चोरी कर भागने के दौरान पकड़ा गया है। इसकी पुष्टि करते हुए रामगढ़वा प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक मधु कुमारी ने बताया कि सतपिपरा से मदन परसौना रोड से निर्माणाधीन पुल के लोहे के चार प्लेट के साथ तीन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। जिसकी पहचाना थाना क्षेत्र के ही चिऊटहा गाँव निवासी संतोष प्रसाद के पुत्र सुजीत कुमार व खुगुनी गाँव निवासी अजय महतो के पुत्र आकाश कुमार और पलनवा थाना क्षेत्र के लौकरिया गाँव निवासी प्रदीप सिंह के पुत्र सचिन कुमार के रूप में कई गयी है। जिसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मौके पर पुअनि अजित कुमार सिंह व पुलिस बल मौजूद थे साथ ही रामगढ़वा थाना के डायल 112 की टीम भी मौके पर मौजूद रहे।

आग लगने से झोपड़ी सहित लाखों की संपत्ति नष्ट

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत के मलाही टोला वार्ड नंबर 16 में सोमवार की मध्य रात्रि चिंता देवी पति स्वर्गीय धनई सहनी के घर में आग लग जाने के कारण लाखों की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। अग्नि पीड़ित चिंता देवी ने बताई कि मेरे ही पट्टीदार से भूमि विवाद वर्षो से चल रहा था। जिन्होंने मुझे कई बार धमकी दे चुके हैं कि तुम्हें जिंदा जला देंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उन्हीं लोगों के द्वारा मेरे घर में आग लगा दिया गया। आग लगी में कपड़ा बर्तन गहना अनाज, बीस हजार नगद जो घर बनाने के लिए रखी हुई थी। अग्निपीड़ित के द्वारा स्थानीय थाना में एक लिखित आवेदन देकर थाना अध्यक्ष से न्याय की गुहार लगाया है। वही अंचल कार्यालय में भी आवेदन देकर अंचलाधिकारी को सूचित कर दिया गया है। वहीं मुखिया पति वेद प्रकाश कुशवाहा एवं वार्ड सदस्य शंभू सहनी अग्नि पीड़ित के लिए अंचलाधिकारी से इंदिरा आवास की मांग किया है।

बगहा गंडक नदी में नहाने के दौरान कई बच्चे डूबे कई बच्चों ने अपनी जान बचाई दो बच्चे लापता

घटना से इलाके में मची चीख पुकार

बीएनएम। बगहा। बगहा में फ़िर एक बार गंडक नदी में कई बच्चे डूब गए इनमें कइयों नें अपनी जान बचा ली है लेकिन दो बच्चे अभी भी लापता हैं। घटना के बाद इलाके में चित्कार औऱ कोहराम मच गया है। दरअसल रविवार की छुट्टी के कारण कई बच्चे गंडक नदी में नहा रहे थे तभी नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण यह हादसा हुआ है। हादसे में कई बच्चों नें तैर क़र स्थानीय नाविक औऱ गौतखोर के सहारे अपनी जान बचाई है जबकि दो बच्चे नदी में डूब गए हैं जिनकी तलाश जारी है। वहीं नगर परिषद के चेयरमैन पति पप्पू गुप्ता भी सूचना पाकर मौके पर पहुँचे हैं औऱ स्थानीय ग्रामीणों की सहयोग से लापता बच्चों की ख़ोज बीन में लोग जुटे हुए हैं। इधर सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम भी लापता बच्चों को ढूंढने की क्वायद में जुटी है, घटना शास्त्रीनगर स्थित बगहा एक ब्लॉक के पास गंडक नदी घाट की बताई जा रही है।

हत्या के दो आरोपी को भेजा गया जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर हत्या के दो आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया गया। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी में राजू महतो- पिता गोपाल महतो, ग्राम-गायघाट उज्जैन लोहियार डीह टोला तथा दूसरा आरोपी राजेंद्र साह पिता स्वर्गीय मथुरा साह ग्राम मटियारिया थाना हरसिद्धि के निवासी बताए जाते हैं। दोनों हत्या कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। छापेमारी में थाना अध्यक्ष निर्भय कुमार राय, सुबोध कुमार सिंह, अनमोल यादव, शिखा कुमारी, संतोषी कुमारी, एवं सशस्त्र बल उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज का नाम 'महारानी जानकी कुंवर चिकित्सा महाविद्यालय' करने को ले महापौर ने लिखा सीएम को पत्र

- ब्रिटिश हुकूमत ने एक षड्यंत्र के तहत 1897 में महज 27 वर्षीया महारानी को मानसिक रोगी बता किया था इलाहाबाद में निर्वासित रहने को मजबूर
- निर्वासित जीवन में ही महारानी ने अपने राज कोष से कराया था लाखों की लागत से महारानी जानकी कुंवर सदर अस्पताल का निर्माण
- कुल 57 वर्षों तक इलाहाबाद स्थित बेतिया राज महल में निर्वासित रहते हुए 27 नवंबर 1954 को 84 वर्ष की आयु में हुआ था महारानी का देहावसान

बीएनएम। बेतिया

बेतिया नगर निगम महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिख कर नगर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का नामकरण महारानी जानकी कुंवर चिकित्सा महाविद्यालय करने की अपील की है एवं महापौर ने अपनी अनुशंसा को उक्त पत्र के रूप मे प्रेषित किया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने अपने भावपूर्ण पत्र में मुख्यमंत्री को निवेदन पूर्वक लिखा है कि आप स्वयं अवगत हैं कि बेतिया मे अंग्रेजी शासन का समर्थन नहीं करने के कारण बेतिया राजघराने को ब्रिटिश हुक्मरानों के कोप का शिकार होना पड़ा। एक षड्यंत्र के तहत 1897 में महज 27 वर्षीया महारानी जानकी कुंवर को बीमार घोषित करते हुए तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने महारानी के निःसंतान होने के कारण बेतिया राज को कोर्ट ऑफ वाड्र्स घोषित कर के निर्वासित कर दिया। तब से 84 वर्ष की लंबी आयु तक करीब 57 वर्षों तक बेतियाराज की महारानी को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद स्थित अपने निजी आवास में निर्वासित रहते हुए जीवन व्यतित करना पड़ा था। श्रीमती सिकारिया ने माननीय मुख्यमंत्री को यह भी बताया है कि महारानी जानकी कुंवर जी का 27 नवंबर 1954 को इलाहाबाद के 07 अटैची रोड स्थित ,बेतिया राज के महल में देहावसान हो गया। वही अपने जीवन काल में ही अपनी तत्कालीन प्रजा की चिकित्सा के लिए यह अस्पताल बनवाया था। महापौर ने यह भी कहा है कि महारानी जानकी कुंवर सदर अस्पताल को मेडिकल कॉलेज बनाने का सपना लिए महारानी स्वर्ग सिधार गईं। उन्होंने प्रार्थना पूर्वक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा है कि आपके द्वारा महारानी के सपना के अनुरूप मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का पुनीत कार्य किया गया है। बावजूद इसके करोड़ों का भूखंड बेतिया राज का होने और सदर अस्पताल महारानी के नाम पर स्थापित होने के बाद भी मेडिकल कॉलेज का नामकरण राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय कर दिया जाना न्यायोचित नहीं होने के साथ बेतिया के लाखों श्रद्धालुओं के मन मे महारानी जानकी कुंवर जी के प्रति श्रद्धा की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। श्रीमती सिकारिया ने अपने उक्त पत्र के अंत लिखा है कि आप लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी से मेरा सादर निवेदन है कि हमारे आदरणीय अभिभावक और जिला प्रसिद्ध समाजसेवी सह वरीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनएन शाही जी के अनुरोध के अनुरूप बेतिया के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का नामकरण महारानी जानकी कुंवर मेडिकल कॉलेज के रूप में स्वीकार करने की कृपा की जाय।

एक पेड़ माँ के नाम का चालया गया अभियान

बीएनएम। रामगढ़वा

एक पेंड़ मां के नाम अभियान रामगढ़वा में जोर जोर से चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं के द्वारा विद्यालयों व अन्य सार्वजनिक जगहों पर पेड़ लगाए जा रहे हैं।साथ ही पेड़ लगाने हेतु लोगों को भी प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। हरिमोहन भगत उर्फ राजू भगत के नेतृत्व में यह अभियान कुष्ठ कॉलोनी, रेशमा देवी प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल रामगढ़वा, गणेश महावीर उच्च विद्यालय, लुकही माई मंदिर परिसर मे यह अभियान चलाया गया और इस अभियान के महत्व की जानकारी दी गई। रेशमा देवी प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय रामगढ़वा मे बृहद स्तर पर बृक्षारोपण चलाया गया।यहां हरिमोहन भगत, विद्यालय के प्रभारी एच एम डा. राजीव के नेतृत्व मे छात्राओं के द्वारा बृक्षारोपण किया गया। यहां बृक्ष के महत्व छात्राओं को बताया गया। बताया गया कि बृक्षों की उपयोगिता जल जीवन और हरियाली के लिए जरुरी है। बृक्षों से छाया और प्राण वायु मिलती है। पर्यावरण संरक्षण व वर्षा के लिए यह महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के द्वारा एक पेंड़ मां के नाम लगाने का अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान मे भाजपा के सभी कार्यकर्ता लगे हुए हैं। हरिमोहन भगत ने बताया कि यशस्वी प्रधानमंत्री के आह्वान पर यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम चल रहा है।

एटीएम के बंद रहने से परेशानी बढ़ी बैंक मैनेजर पर ग्राहकों ने लगाए लापरवाही के आरोप

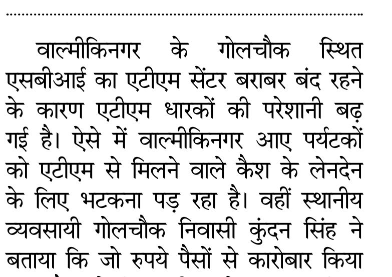

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर के गोलचौक स्थित एसबीआई का एटीएम सेंटर बराबर बंद रहने के कारण एटीएम धारकों की परेशानी बढ़ गई है। ऐसे में वाल्मीकिनगर आए पर्यटकों को एटीएम से मिलने वाले कैश के लेनदेन के लिए भटकना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय व्यवसायी गोलचौक निवासी कुंदन सिंह ने बताया कि जो रुपये पैसों से कारोबार किया जाता है इसके लिए एटीएम से तत्काल सुविधा ले ली जाती है लेकिन माह में करीब 20 दिन एटीएम बंद रहने से व्यवसाय संचालन में परेशानी बढ़ गई है। इसके लिए कुंदन सिंह ने स्थानीय ब्रांच मैनेजर पर लापरवाही का भी आरोप लगाया है। बतादें की इंडो नेपाल सीमा पर अवस्थित वाल्मीकिनगर में एसबीआई का एक मात्र एटीएम होने के कारण एटीएम धारकों को मिलने वाली सुविधा से बंचित रहना पड़ रहा है। दूसरी तरफ नेटवर्क की फैलियर स्थिति के कारण कैशलेस ट्रांजेक्शन भी नहीं हो पाई रही है।जिससे पर्यटकों के साथ साथ स्थानीय लोगों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

लगन एवं नई ऊर्जा के साथ कार्यों को निष्पादित करें प्रधान सहायक : जिलाधिकारी

- कार्य संस्कृति में और अधिक सुधार लाएं प्रधान सहायक
- जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों से करायी जाएगी कार्यालयों की औचक जाँच
- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिले के सभी प्रधान सहायकों की बैठक सम्पन्न
- सेवांत लाभ, सेवा शिकायत आदि से संबंधित लंबित कार्य को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश

बीएनएम। बेतिया

बेतिया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में जिले के सभी प्रधान सहायकों की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। इस बैठक में रोकड़ बही (असमायोजित अभिश्रव), माननीय न्यायालय, मानवाधिकार आयोग, सेवांत लाभ, सेवा शिकायत, एसीपी/एमएसीपी, मुख्यमंत्री जन शिकायत, जिला जनता दरबार, अंचल भू-मापी, सूचना का अधिकार अधिनियम, कर्मपुस्त, विभागीय कार्यवाही, बायोमीट्रिक उपस्थिति आदि की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रधान सहायकों से कहा कि लोकसभा निर्वाचन में आपके द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। आप सभी के प्रयासों से लोकसभा निर्वाचन सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्य प्रगति थोड़ी धीमी दिख रही है, इसे तेजी के साथ बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधान सहायक कार्य संस्कृति में और अधिक सुधार लाएं। उन्होंने कहा कि लगन एवं नई ऊर्जा के साथ जिले के सभी प्रधान सहायक अपने-अपने कार्यों को निष्पादित करें तथा अपने अधीनस्थ कर्मियों को भी तीव्र गति से कार्यालय के कार्यों को निष्पादित करने को कहें। उन्होंने कहा कि कार्यालय के सभी संचिकाओं, अभिलेखों को अपडेट रखें। कार्यालय को व्यवस्थित रखते हुए साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था करें। कार्यालय का प्रबंधन और अधिक बेहतर कैसे हो, कार्यों को ससमय कैसे निष्पादित किया जाय, इस हेतु विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के कार्यालयों की औचक जाँच जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों से करायी जाएगी। किसी भी कार्यों को लंबित नहीं रखें। ससमय कार्य निष्पादन में कहीं कोई परेशानी हो रही हो तो अपने अधिकारी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी से भी मार्गदर्शन ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त हो चुके तथा होने वाले कर्मियों के प्रति संवेदनशील रहें। सेवानिवृत्ति पर सरकार द्वारा देय सभी सुविधाएं कर्मियों को समय पर मिल जाय, इसे हर हाल में सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कर्मियों के अन्य समस्याओं के प्रति भी गंभीर होकर उनके मामलों को निष्पादित करें। जिलाधिकारी ने प्रधान सहायकों को निर्देश दिया कि सेवांत लाभ, सेवा शिकायत आदि से संबंधित लंबित कार्य जल्द से जल्द निष्पादित किया जाय। सीसीएमएस की मॉनिटरिंग करें। सीडब्ल्यूजेसी/एमजेसी से संबंधित मामले अपने लॉगिन पर देखें और एसओएफ अपलोड कराना सुनिश्चित करेंगे।उप विकास आयुक्त, श्रीमती प्रतिभा रानी एवं अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह द्वारा प्रधान सहायकों को बेहतर तरीके से कार्य करने के गुर बताए गए। उन्होंने प्रधान सहायकों को रोकड़ बही (असमायोजित अभिश्रव), माननीय न्यायालय, मानवाधिकार आयोग, अंचल भू-मापी, सूचना का अधिकार, विभागीय कार्यवाही को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, श्रीमती प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला स्थापना शाखा, मो. अली अंसारी सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक दिवसीय उनमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा के सामुदायिक मंडप भवन मे जीरो डोज के क्रियान्यवयन करने हेतु गावी के द्वारा एक दिवसीय उनमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन डब्लू एच ओ व यूनिसेफ के द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। सिविल सर्जन मोतिहारी के आदेशानुसार नव जात शिशुओं के नियमित टीकाकरण कार्य को मजबूत करने हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य रामगढ़वा केंद्र को सभी आशा कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षण दिया गाय। इसमे यूनिसेफ के रवि कुमार और कॉउंसलर राजीवरंजन ने सभी वर्कर्स के अंतरव्यक्तित्व संचार के माध्यम से अपने पोषक क्षेत्र में कार्य करने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया की जीरो डोज की जानकारी सभी आशा वर्कर्स को महत्वपूर्ण है। इनको जीरो डोज की सम्पूर्ण जानकारी आशा वर्कर्स को दी गई। यह कार्यक्रम पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा प्राधिकारी डॉ. एन डी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान डॉ. सी बी कुमार, बीसीएम आशुतोष कुमार, बीईसी मोहम्मद हारुण के साथ सभी आशा वर्कर्स मौजूद रहे।

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऍसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऍसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

अर्थव्यवस्था को तीव्र गति एवं महाशक्ति बनाने वाला बजट

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत-सशक्त भारत-विकसित पर बल दिया गया है। वित्त मंत्री ने सरकार की 9 प्राथमिकताओं -खेती में उत्पादकता और मजबूती बढ़ाना, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, मानव संसाधन का समावेशी विकास और सामाजिक न्याय, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज, अर्बन डेलपमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्नोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का ऐलान किया है, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगा। बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी है। विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। सातवीं बार बजट प्रस्तुत कर वित्तमंत्री सीमारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में पांच वार्षिक बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित

अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स में भी कुछ अहम बदलाव करने का एलान किया है। मौजूदा नियमों के तहत एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस लिमिट को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'नवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण पूल भी बनाया जाएगा। मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाने का लक्ष्य है। 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। छात्रावासों और क्रेच के माध्यम से कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद इस बजट प्रावधानों के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत- सशक्त भारत-विकसित के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ किसानों, आदिवासियों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है। संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक-कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत काल में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। बीते कुछ सालों में नरेन्द्र मोदी ने इकॉनमी को मजबूत करने के लिए जो नींव रखी थी, अब उस पर मजबूत इमारत खड़ा करने का मौका है। आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। बजट में टूरिज्म पर विशेष बल दिया गया है। पर्यटन हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रहा है।. भारत को वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बिहार में राजगीर और नालंदा के लिए एक व्यापक विकास पहल की जाएगी। सरकार ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देंगी, जिसमें प्राकृतिक सुंदरता, मंदिर, शिल्पकला, प्राकृतिक परिदृश्य, वन्यजीव अभयारण्य और प्राचीन समुद्र तट हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, आदिवासियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र एवं पर्यटन पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन बावजूद यह बजट राजनीति प्रेरित नहीं, देश प्रेरित है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

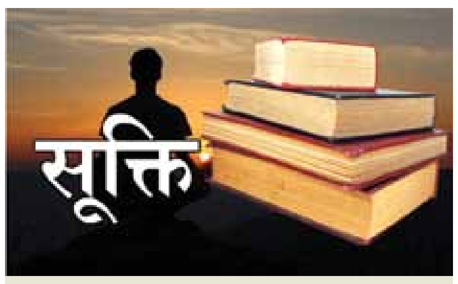

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है।
- अब्दुल कलाम

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है। शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है।
- चाणक्य

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि तीज, बुधवासरे, शत भिषा नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वव करणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा दिन के 10/16 तक, संकटी गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रा. 9/13 तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, जिद्दी-हठी, बाडी मेकर, लकड़ी का व्यापारी, लकड़ी का ठेकेदार तथा आरा मशीन वाला, लकड़ी का कार्य करने वाला होगा।

मेष राशि - मन में अशांति रहेगी, परेशानी से अवश्य बचिये, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी ध्यान दें।

वृष राशि - संवेदनशील होने से बचिये नहीं तो आपको पछताना पड़ेगा, कार्य रुकेंगे, धैर्य रखकर कार्य करें।

मिथुन राशि - मानसिक कार्य में सफलता से संतोष होगा, धन का लाभ होगा, बिगड़े कार्य बन जायेंगे।

कर्क राशि - उत्तम कार्य बनेंगे, अधिकारियों के सहयोग से कार्य निपटा लें, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

सिंह राशि - व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेगी, स्थिति पूर्ण नियंत्रण में रहेगी, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि - सामाजिक कार्य में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा।

तुला राशि - अधिकारी वर्ग से विशेष सफलता फलप्रद होगी, रुके कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृश्चिक राशि - धन लाभ होगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि - स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता, विवादग्रस्त होने से बचें, रुके कार्य बनने के योग हैं ध्यान दें।

मकर राशि- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ राशि - कार्य व्यवसाय में उत्तेजना, धन का लाभ होगा, शक्ति शिथिल होगी, धैर्य रखें।

मीन राशि - अधिकारी वर्ग का समर्थन फलप्रद होगा, कार्य प्रतिष्ठा बढ़ेगी, समय पर कार्य करें।

और अब नाम-पहचान पर धर्मयुद्ध

ओमप्रकाश मेहता

आज सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि समूचा विश्व एक दमघोटू माहौल में जीनें को मजबूर है, साम्प्रदायिकता का यह जहरीला धुंआ हर किसी के दिल-दिमाग में घुटन पैदा कर रहा है, भारत का 'हिन्दूराष्ट्र' का नारा अब विश्वमंच से लगाया जाने लगा है, इस कारण से एक सम्प्रदाय विशेष में डर तथा चिंता व्याप्त हो गई है, अब यह माहौल क्यों बनाया गया और इसके पीछे कौन सी शक्तियां है? इसका उत्तर तो बाद में खोज लिया जाएगा, किंतु प्राथमिकता इस माहौल को खत्म करने की है, क्योंकि यह माहौल यदि खतरे की सीढ़ी पार कर गया तो पूरे विश्व की शांति खतरे में पड़ सकती है। भारत में इस माहौल की शुरूआत देश को राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने वाले उत्तरप्रदेश से हुई है, जहां सबसे पहले धार्मिक रैलियों के मार्ग की दुकानों के बाहर उनके मालिकों के नाम की पट्टियां लगाने के आदेश प्रदान किए गए, जिसका सबसे पहले अनुसरण पड़ौसी राज्य उत्तराखण्ड़ ने किया जहां कांवड मार्ग की दुकानों पर इस विवादित नियम को लेकर सख्ती बरती गई। उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड के बाद अब छूत का यह रोग मध्यप्रदेश में भी प्रवेश कर गया है और मध्यप्रदेश स्थित देश की सबसे पूण्य व पवित्र नगरी अवंतिका (उज्जैन) में इस नियम को सख्ती के साथ लागू करने के निर्देश प्रदान कर दिए गए। अब आज देश की सबसे बड़ी और अहम् चिंता यही है कि आखिर इन आदेशों को पालन करवा कर देश-प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व अपना कौन सा मकसद पूरा करना चाहता है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने पद ग्रहण करते ही आज से एक दशक पहले प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के 'पंचशील' सिद्धांतों की तो इतिश्री कर ही दी थी, जिनमें भारत में शांति की पहल की गई थी, अब आज के शासक देश को साम्प्रदायिक भट्टी में झौंक कर अपना कौन सा मकसद पूरा करना चाहते है, यदि मोदी जी को अपने तीसरें कार्यकाल में 'हिन्दूराष्ट्र' का संकल्प पूरा करना ही है तो उसके और भी अन्य रास्ते हो सकते है इसके लिए एक सम्प्रदाय विशेष को लक्ष्य बनाने की क्या जरूरत है? ....और अब तो यह मुहीम भारत तक सीमित न रहकर धीरे-धीरे विश्व स्तरीय स्वरूप ग्रहण करती जा रही है, यही आज की चिंता का सबसे बड़ा कारण है यदि देश-विदेश में यही माहौल बना रहा तो इसके परिणाम कितने खतरनाक होगें? इसकी किसी ने कल्पना भी की है? हमारा इतिहास ऐसी मुहीम के परिणामों का गवाह है, इससे आज शिक्षा ग्रहण करने की जरूरत है। हमारा पुरातन काल से नारा ''सर्वधर्म समभाव'' रहा है, हम आखिर उसे त्यागने को क्यों आतुर है? शायद इसका मुख्य कारण आज का बदला हुआ माहौल है, हमारा देश हमेशा से धर्मपरायण रहा है, इसीलिए ऋषि-मुनियों ने अपना दबदबा कायम रखा, किंतु अब माहौल एकदम उलट गया है, आज देश के कर्णधार राजनेता साधु-महात्माओं की शरण में नही बल्कि साधु-महात्मा राजनेता की शरण में नजर आ रहे है, अब ऐसे में सहज ही देश, प्रजा और यहां के आध्यात्म के भविष्य की कल्पना की जा सकती है। वैसे इस स्थिति के लिए कोई दोषी नही है, न राजनेता और न उनके आराध्य। दोषी है तो कुर्सी का मोह, जिसने एक बार कुर्सी प्राप्त कर ली वह उसे 'दीर्घजीवी' बनाने की कौशिश करता है और यही भावना आज की राजनीति का मुख्य केन्द्र है, अब ऐसे में यह सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि इसका ईलाज क्या है? तो सत्य बात यह है कि इसका ईलाज किसी संत-मौलवी या डॉक्टर के पास नही बल्कि स्वयं रोगी के पास है, जो अपने में आत्म चेतन पैदा कर अपने आपको ठीक कर सकता है और वही अब करना भी चाहिए, दुकानों पर नाम पट्टी लगाने से कुछ नही होगा।

श्रावण मास : शिव भक्ति की कांवड़ यात्रा का पर्व

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे परमात्मा है जिनकी देवचिन्ह के रूप में शिवलिगं की स्थापना कर पूजा की जाती है। लिगं शब्द का साधारण अर्थ चिन्ह अथवा लक्षण है। चूंकि भगवान शिव ध्यानमूर्ति के रूप में विराजमान ज्यादा होते है इसलिए प्रतीक रूप में अर्थात ध्यानमूर्ति के रूप शिवलिगं की पूजा की जाती है। पुराणों में लयनाल्तिमुच्वते अर्थात लय या प्रलय से लिगं की उत्पत्ति होना बताया गया है। जिनके प्रणेता भगवान शिव है। यही कारण है कि भगवान शिव को प्राय शिवलिगं के रूप अन्य सभी देवी देवताओं को मूर्ति रूप पूजा की जाती है। शिव स्तुति एक साधारण प्रक्रिया है। ओम नमः शिवाय का साधारण उच्चारण उसे आत्मसात कर लेने का नाम ही शिव अराधना है। श्रावण मास में शिव स्तुति मनोकामना पूर्ण करने वाली होती है। हर साल श्रावण मास में करोड़ो की तादाद में कांवडिये सुदूर स्थानों से आकर गंगा जल से भरी कांवड़ लेकर पदयात्रा करके अपने गांव कस्बे व शहर वापस लौटते हैं इस यात्राको कांवड़ यात्रा बोला जाता है। श्रावण की चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है। कहने को तो ये धार्मिक आयोजन भर है, लेकिन इसके सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। पानी आम आदमी के साथ साथ पेड पौधों, पशु - पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारो लाखों तरह के कीडे-मकोडों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक है। भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है।कांवड़ मेले में हरिद्वार में चारों ओर शिवभक्त नजर आएंगे । गंगोत्री, ऋषिकेश या फिर हरिद्वार में हर की पेडी से शुरू होकर गंगनहर के समानांतर कांवड़ियों की आस्था की धारा शुरू हो गई है । कांवड़ मेले में जगह-जगह आलोकिक दृश्य देखने को मिलता है।भारतीय लोगों के लिए कांवड़ मेला बिल्कुल अनसुना नहीं है। सावन प्रारंभ होते ही केसरी रंग के कपड़ों में कांवड़िए अपने कंधे पर कांवड़ लटकाकर उसमें गंगाजल भरकर लाते हैं और अपनी मन्नत के अनुसार किसी विशेष शिव मंदिर में उस गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।गंगाजल लाने और उससे शिवलिंग का अभिषेक करवाने तक का यह पूरा सफर पैदल और नंगे पांव

किया जाता है। निश्चित तौर पर यह काम बहुत हिम्मत का है, लेकिन शिव भक्ति के सामने कोई भी मुश्किल नही रहती है।कांवड़ियों के पैरों में पड़ने वाले छाले ही कांवड़ यात्रा में एक बड़ी रुकावट बन जाते हैं लेकिन शिव भक्त हार नही मानते हैं। माना जाता है शिव का जलाभिषेक करने से शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की हर मनोकामना को पूरा करते हैं।सावन के महीने को शिव मास भी कहा जाता है, क्योंकि ये वह महीना होता है जब सारे देवता शयन करते हैं और शिव जाग्रत रहकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।कांवड़ यात्रा हठयोग की प्रतीक है, लेकिन इस दौरान कावड़ियों को कुछ नियमों का पालन भी करना पड़ता है जो अत्यंत आवश्यक होता है।कांवड़ यात्रा शुरू करते ही कावड़ियों के लिए किसी भी प्रकार का नशा करना वर्जित होता है।कांवड़ यात्रा पूरी होने तक उस व्यक्ति को मांस, मदिरा और तामसिक भोजन से परहेज करना होता है। बिना स्नान किए कांवड़ को हाथ नहीं लगा सकते, इसलिए स्नान करने के बाद ही कांवड़िए अपनी कांवड को छू सकते है।चमड़े की किसी वस्तु का स्पर्श, वाहन का प्रयोग, चारपाई का उपयोग, ये सब कावड़ियों के लिए वर्जित कार्य है। इसके अलावा किसी वृक्ष या पौधे के नीचे भी कावड़ को रखना वर्जित है।कांवड़ ले जाने के पूरे रास्ते भर बोल बम और जय शिव-शंकर का उच्चारण करना फलदायी होता है। कांवड़ को अपने सिर के ऊपर से लेकर जाना भी वर्जित माना गया है। इन सभी नियमों का पालन करना आवश्यक है और इसके लिए कांवड़ियों की संकल्पशक्ति की मजबूती अनिवार्य है।श्रावण मास में कावंड में गंगाजल भरकर पदयात्रा करते हुए शिवालयो में जलाभिषेक करना पूण्यप्राप्ति होना माना जाता है। जिस कावंड में गंगाजल भरकर शिवालय में ले जाया जाता है। उस कावंड को बनाने वाले हिन्दू ही नही बल्कि मुस्लमान भी है।हरिद्वार नगरी के ज्वालापुर,सराय में रफीक के परिवार को साल भर की रोजी रोटी इसी कावंड से मिलती है।यह परिवार रंग बिरंगी कांवड़ तैयार कर अपने घर का चूल्हा जलाता है। कई मुस्लमान हिन्दूओं के इस कावंड मेले में कावंड सहायता शिविर लगाकर धार्मिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का सन्देश भी देते है।वही इस कावंड मेले को बदरंग करते हुए कुछ कांवडिये भांग का सेवन करते है तो कुछ चरस गांजे का अवैध व्यापार भी इस कावंड मेले की आड में करते है। शिव भक्ति आषाड मास के बीस दिन बीतने के बाद से ही श्रावण मास पूरा होने तक 40 दिन के लिए किये जाने की परम्परा है। जिसकी शुरूआत हो चुकी हैऔर हरिद्वार की सड़कों व हर की पैड़ी पर शिव भक्तो की भीड बढने लगी है। इस बार चार करोड से अधिक कांवडियों के हरिद्वार आकर गंगाजल अपनी कावंड में भरकर ले जाने की सम्भावना है। जिनके लिए हर बार की तरह इस बार भी गंगनहर पटरी मार्ग को कावंड मार्ग बनाया गया है।हालांकि कुछ कांवड़िये राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर भी जाने लगे है। कावंडियो के लाठी डन्डे लेकर व डीजे बजाकर चलने पर भी प्रतिबन्ध लगाया गया है। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी यह प्रतिबन्ध हवा हवाई साबित होगा। क्योकि प्रतिबन्ध के बाद भी कावंडिये लाठी डन्डे लेकर व डीजे बजाकर चलने से नही रूक पाते है। कावंड मेले को सुगम व सुविधाजनक बनाने के लिए पुलिस को जहां कांवडियों के भेष में तैनात किया गया है वही स्वास्थ्य सेवाओ के लिए डाक्टरो की तैनाती,सफाई के लिए पुख्ता इन्तजाम व खादय पदार्थो की शुद्धता व सही रेट वसूलने की हिदायत दी जाती है। इस बार दुकानदारो को अपना नाम दुकान पर अंकित करने की बाध्यता भी की गई है।जिसे लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है।परन्तु वास्तव में जब कांवडियो की भीड उमडती है तो पुलिस प्रशासन कांवडियो के सामने बोने होते नजर आने लगते है। कांवडियो के कारण गंगनहर मार्ग तो आम जनता के लिए बन्द होगा ही और लोग पिरान कलियर तक भी नही जा सकेगे वही राष्टीय राजमार्ग के भी कम से कम एक सप्ताह तक बन्द रहने की बाध्यता है। जिस कारण स्कूलो,न्यायालयों व सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों का कामकाज प्रभावित होना अवश्यसम्भावी है। सच यह भी है कि कावंड मेले के दिनों में हरिद्वार,रूडकी से लेकर मुज्जफरनगर,मेरठ तक के लोग बन्धक रहेगें। इस कांवड मेले में उत्तराखण्ड के साथ साथ उ0प्र0, राजस्थान, हरियाणा,हिमाचल व पंजाब तक के शिवभक्त कांवडियों के रूप में भाग लेते है। लेकिन साथ ही असमाजिक तत्वों का भी इस मेले में जमावडा रहता है जिनसे निपटना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। शान्ति,सदभाव और पूण्य प्राप्ति की चाह में शिवभक्त कांवडिये श्रावण मास में कांवड लेने के लिए हरिद्वार आते है और अपनी कांवड में गंगा जल भर पदयात्रा करते हुए उसे अपने अराध्य शिव लिंग पर अर्पित कर पुण्य प्राप्ति करते है।

शब्द पहेली - 8198

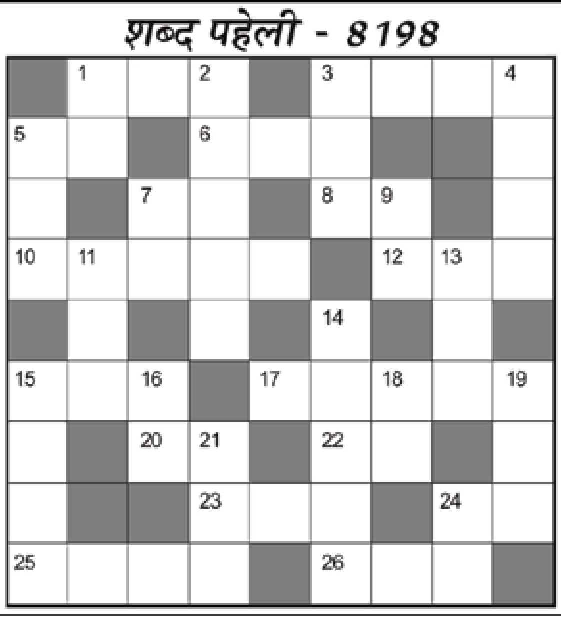

बाएँ से दाएँ

1. कंठ,गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा,तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली,एक फल-2
23. उपासना,शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा,सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर,इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा,रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. नाट्य,कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8197 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7136

सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7135 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

बॉडी लैंग्वेज बन सकता है इंटरव्यू में सिलेक्शन न होने का कारण

जॉब के लिए इंटरव्यू के दौरान लोग बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी कई गलतियां करते हैं। जिसके कारण इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी उनका सिलेक्शन नहीं होता है। यहां हम आपको सही बॉडी लैंग्वेज के साथ इंटरव्यू क्रैक करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। अच्छी जॉब की चाहत रखने वाले लोग काफी समय पहले से ही इंटरव्यू की तैयारियां शुरु कर देते हैं। इंटरव्यू से पहले लोग तमाम सवालों की तैयारियां भी करते हैं। इस दौरान लोग इंटरव्यू में अच्छा इंप्रेशन देने के लिए आटउफिट्स को लेकर भी कंफ्यूज हो जाते हैं। इन सारी तैयारियों के अलावा कुछ जरूरी बातें हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए।

कई बार इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी आप सिलेक्शन से चूक जाते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज बहुत मायने रखता है। आज हम आपको उन बॉडी लैग्वेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इंटरव्यू के दौरान बिलकुल भी नहीं करनी चाहिए।

ऐसे करें शुरूआत

इंटरव्यू में आपके उठने-बैठने का तरीका, हाव-भाव, आपके हाथ के एक्शन आदि के अलावा आपकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया जाता है। इंटरव्यू के लिए जाने के दौरान सामने वाले से हाथ मिलाने के दौरान इस बात का खास ध्यान रखे कि हाथ न तो बहुत हल्के से और न बहुत तेजी से मिलाएं। यदि आपके हाथ गीले हों तो उन्हें पोछकर साफ कर लें। वहीं इंटरव्यू के दौरान सामने वाले से आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। वहीं हैंडशेक करने के दौरान गर्मजोशी से मिलें। आंखें झुकाकर या कहीं और देखते हुए हैंडशेक करने की गलती न करें।

स्ट्रेट होकर बैठें

इंटरव्यू के दौरान आपको स्ट्रेट होकर बैठना चाहिए। इसके अलावा अगर आप इंटरव्यू लेने वाले के सामने क्रास लेग करके बैठते हैं तो यह आपके इंप्रेशन को खराब कर सकता है। साथ ही यह सामने वाले पर्सन पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इसलिए इंटरव्यू के दौरान इस तरह की गलती किए जाने से बचना चाहिए। बता दें कि स्ट्रेट पोस्चर यानि की एकदम सीधे होकर बैठने से आपका सामने वाले पर डिफेंसिव इंप्रेशन जाता है। ढीला-ढाला पोस्चर आपकी खराब बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।

क्रॉस आर्म्स

बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी एक क्रॉस आर्म्स होती है। इंटरव्यू देते समय हाथों को सीधे अपनी थाई पर रखकर बैठें। इस दौरान न तो हाथों को क्रॉस करें और न ही हाथ जेब में डालें। अगर आप हाथ क्रॉस करके बैठते हैं तो यह आपके एरोगेंस को दिखाता है। जिससे इंटरव्यू में खराब इंप्रेशन पड़ता है। कई लोग टेबल के ऊपर हाथ रखकर बात करते हैं। ऐसा भी करने से बचना चाहिए। बता दें कि जब तक हाथ से कोई बहुत जरूरी बात न समझानी हो, तब तक हाथों को इधर-उधर न करें। इसके अलावा बार-बार अपने हाथों को बालों पर न फिराएं।

फेस टच

कई लोगों की बार-बार अपने चेहरे, बालों या कपड़ों को टच करने की आदत होती है। यदि आप किसी इंटरव्यू के दौरान भी ऐसी हरकत करतें है, तो यह सामने वाले को आपके खराब इंप्रेशन को दिखाता है। क्योंकि ये आदतें नेगेटिव बॉडी लैंग्वेज जेस्चर में आती हैं। इसलिए इंटरव्यू के दौरान भूलकर भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। आपकी बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी इस तरह की कई गलतियां इंटरव्यू में असफल होने का कारण भी बन सकती हैं।

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल में ऐसे बनाएं करियर मिलेगा शानदार पैकेज

जिन छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। वह इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें आपकी रुचि के हिसाब से कई कोर्स मिल जाएंगे। हालांकि इन कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं जो स्टूडेंट 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके लिए इंजीनियरिंग में ढेरों स्पेशलाइजड कोर्स है। आपको बता दें कि इंजीनियरिंग में 2 प्रकार की बैचलर डिग्री होती है। जिनमें से एक बीई, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दूसरा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीटेक है। वहीं जिन स्टूडेंट्स को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। उनके करियर के लिए इंजीनियरिंग का ऑप्शन सबसे बेस्ट है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बीटेक इंलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देंगे। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की एक ब्रांच इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस है। जिसके जरिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को विकसित करने का काम किया जाता है। इस सब्जेक्ट के जरिए दोनों विषयों को अलग-अलग किया गया है। ताकि जिस स्टूडेंट को जिस सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट हो, वह उसमें अपना करियर बना सके। बता दें कि इस कोर्स को करने के बाद आप एक आकर्षक सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं।

कोर्स

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स 4 साल का होता है। 12वीं पास स्टूडेंड संबंधित सब्जेक्ट में डिप्लोमा कर सकते हैं। हालांकि इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट को परीक्षा देनी होती है। कोर्स को आसान बनाने के लिए इसे सेमेस्टर सिस्टम में लागू किया गया है। इस दौरान स्टूडेंट को कोर्स पढ़ाने के अलावा थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी करवाया जाता है। कोर्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कुछ सिखाया जाता है। जिससे कि छात्रों को करियर की शुरूआत में किसी तरह की दिक्कत न आए।

कॉलेज और फीस

- करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान तमिलनाडु - 7.24 लाख
- एसआरएम प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश - 2.02 लाख
- अमृता विश्व विद्यापीठम अमृतपुरी परिसर, केरल - 4 लाख
- रेवा विश्वविद्यालय, कर्नाटक - 9 लाख

योग्यता

- इसके लिए स्टूडेंट का 12वीं पास होना जरूरी है।
- स्टूडेंट ने साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई की हो।
- पीसीएम के मुख्य सब्जेक्टों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- स्टूडेंट के कम से कम 50 प्रतिशत नंबर होने चाहिए।
- वहीं रिजर्व कैटेगिरी के पास 45 प्रतिशत अंक योग्यता
- स्टूडेंट की उम्र 17 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

एडमिशन

बीटेक में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स करने के लिए स्टूडेंट को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से सबसे अहम प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस और जेईई एडवांस है। वहीं अन्य संस्थान और राज्य अपने स्तर पर भी कई तरह की प्रवेश परीक्षा करवाते हैं। इन परीक्षाओं में पास होने के बाद ही स्टूडेंट इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन एग्जाम के बाद सीट अलॉटमेंट के लिए काउंसलिंग और कुछ जगह इंटरव्यू का भी प्रोसेस होता है।

अन्य ऑप्शन

इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आगे की भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं यह कोर्स पूरा होने के बाद आप एक पेशेवर के तौर पर अच्छी सैलरी पर भी काम कर सकते हैं। बता दें कि इस कोर्स के बाद छात्र सीनियर डेवलपर, स्पलाई चेन एग्जिक्यूटिव और मैनेजर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंप्यूटर इंजीनियर और रिजनल मैनेजर आदि के पदों पर काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में इस फील्ड में आप सालाना 2 से 7 लाख रुपए महीने कमा सकते है। वहीं एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।

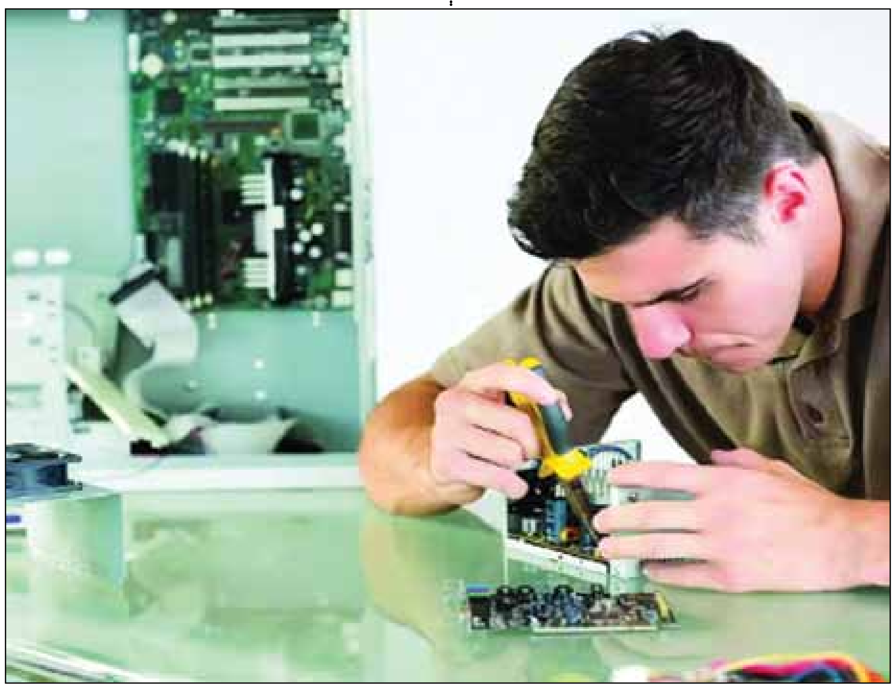

मास कम्यूनिकेशन के जरिए पूरा किया जा सकता है मीडिया में काम करने का सपना

कई छात्र टीवी, रेडियो और प्रिंट मीडिया में काम करने का सपना देखते हैं। इस सपने को मास कम्यूनिकेशन कोर्स के जरिए पूरा किया जा सकता है। इस कोर्स को आप लखनऊ के इन कॉलेजेस से कर सकते हैं।

कई लोगों का मीडिया, टीवी और रेडियो में काम करने का सपना होता है। इस तरह की रुचि रखने वाले छात्र अक्सर मीडिया इंडस्ट्री में जुड़ने की इच्छा रखते हैं। जिसके चलते लाखों स्टूडेंट तेजी से बढ़ती मीडिया इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लेते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। 12वीं और अंडर ग्रेजुएट डिग्री करने वाले छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं। साथ ही आपको लखनऊ के बेस्ट कॉलेज के बारे में भी बताएंगे, जहां से आप इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

प्रोफेशनल डिग्री कोर्स

मास कम्यूनिकेशन का कोर्स प्रोफेशनल डिग्री है। इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट को किसी विशेष स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी नहीं होती है। आर्ट, साइंस और कॉमर्स से पढ़े छात्र भी मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप कई विभिन्न पदों पर काम करने के योग्य हो जाते हैं। एक जर्नलिस्ट के तौर पर काम कर अपने सपने को पूरा कर सकते हैं।

बैचलर कोर्स की योग्यता

मास कम्यूनिकेशन में बैचलर कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों का 12वीं पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकता है। इस कोर्स में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों तरह से एडमिशन लिया जाता है। मेरिट के आधार पर एडमिशन के लिए स्टूडेंट को 12वीं में अच्छे नंबर लाने होते हैं। वहीं प्रवेश परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स को एग्जाम में अच्छा स्कोर करना होता है। हर संस्थान में एडमिशन के लिए अलग-अलग योग्यता होती है।

मास्टर कोर्स में प्रवेश की योग्यता

अगर आप पहले से ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं तो मास मीडिया का कोर्स करने के लिए आप मास कम्यूनिकेशन में मास्टर की डिग्री कर सकते हैं। मास्टर्स कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों को बैचलर में न्यूनतम 50% नंबर लाने होते हैं। इसके लिए आपको प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट में बनाना है कॅरियर तो....

सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है।

आज के समय में कॅरियर की अनेक राहें हमारे पास मौजूद हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। लेकिन पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण यंगस्टर्स इन करियर ऑप्शन को चुनते ही नहीं है। ऐसा ही एक क्षेत्र है सप्लाई चैन मैनेजमेंट। किसी भी कंपनी को सक्सेसफुली चलाने के लिए सप्लाई चैन मैनेजमेंट की बेहद आवश्यकता होती है। यही कारण है कि इस पद पर नियुक्त लोगों को काफी अच्छी सैलरी मिलती है और उनके करियर की ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है। यह तैयार हुए प्रोडक्ट को शिपिंग के लास्ट स्टेज तक को स्मूद बनाने का मैनेजमेंट है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक प्रोडक्ट को पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक आसान बनाना है। जब इसे सही तरीके से किया जाता है, तो इससे मार्केट में बिजनेस को बढ़त हासिल करने में भी मदद मिलती है।

सप्लाई चेन मैनेजर क्या करता है?

अब सवाल यह उठता है कि एक सप्लाई चेन मैनेजर का क्या काम होता है। दरअसल, एक सप्लाई चेन मैनेजर कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक कंपनी की सभी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार होता है। ये वे पेशेवर होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद समय पर पहुंचें और बिना डैमेज कच्चे माल का भंडारण किया जाए। उन्हें तैयार किया जाए और बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक सही समय पर व आसानी से पहुंचाया जाए। सप्लाई चेन में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर वेयरहाउस, पैकेजिंग, डिलीवरी जैसे कई छोटे-छोटे सेक्शन्स शामिल होते हैं। इन सभी को मैनेज करने की जिम्मेदारी सप्लाई चेन मैनेजर के कंधों पर होती है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में जॉब के क्या अवसर हैं?

किसी भी प्रोडक्ट को तैयार करने में कई चरण होते हैं और यह सभी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। इसलिए हर कंपनी में सप्लाई चेन मैनेजमेंट को कंप्लीट करने के लिए कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में जॉब ऑप्शन की कमी नहीं है। आप छोटे से लेकर बड़े ब्रांड तक में बतौर लॉजिस्टिक रिसोर्स प्लानर, मेंटेनेंस मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, प्रोडक्शन प्लानर, वेयरहाउस मैनेजर, आदि पदों पर जॉब की तलाश कर सकते हैं। चूंकि, उत्पादन व बिक्री का बाजार कभी बंद नहीं होने वाला है, इसलिए इस क्षेत्र में आपको अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने की कोई आवश्यकता भी नहीं है।

सप्लाई चेन मैनेजर कितना कमा सकता है?

एक सप्लाई चेन मैनेजर किसी भी कंपनी में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और फिर उसे अपने कस्टमर्स तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका में होता है। एक तरह से उसकी भूमिका के कारण ही कंपनी की ग्रोथ पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए उनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। अपने करियर की शुरुआत में ही आप 40000-50000 रूपए तक आसानी से कमा सकते हैं। कुछ सालों के अनुभव के बाद सैलरी प्रतिमाह लाखों में होती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए कोर्स

अगर आप सप्लाई चैन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपको एमबीए इन लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट कोर्स करना चाहिए। इसके अलावा आप किसी अच्छे संस्थान से इससे जुड़ा कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं।

- स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- आईआईएसडब्ल्यूबीएम कोलकाता - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेर एंड बिजनेस मैनेजमेंट इन कोलकाता
- डॉ. डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी (डीवाईपीयूएसएम), नवी मुंबई

संक्षिप्त समाचार

पटना के पालीगंज में मिला अज्ञात युवक का शव, गले पर धारदार हथियार के मिले निशान

पटना। पालीगंज अनुमंडल में बिक्रम थाना क्षेत्र के वजीरपुर गांव के पास से एक युवक का शव मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है।

डेड बॉडी पर गहरे जख्म के निशान हैं। गले पर भी धारदार हथियार से वार करने के निशान मिले हैं। शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। शिनाख्त की कोशिश जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मर्डर के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए अपराधियों ने शव यहां फेंका है। हालांकि ये जांच का विषय है। बिक्रम थाना प्रभारी विनोद कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही हत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

दंडवत प्रणाम करते शिव भक्त 65 किमी का करेंगे सफर, वैशाली से बाबा गरीबनाथ के लिए निकले

हाजीपुर। वैशाली के पहलेजा गंगा नदी घाट से जल भरकर शिव भक्त 5 सालों से लगातार दंडवत प्रणाम करते हुए मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध बाबा गरीब नाथ पर जलाभिषेक करते आ रहे। इसी कड़ी में शिव भक्ति में लीन हुए शिव भक्त अशोक शर्मा ने पहलेजा घाट से 1 जुलाई को गंगा जल भरकर पैदल दंडवत प्रणाम करते हुए मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ जाने के लिए लिए प्रस्थान कर चुके है। इनका आज तीसरा दिन है।

यह जैसे ही भगवानपुर पहुंचे, तो वैशाली जिला नागरिक परिषद के अध्यक्ष व पूर्व जिला परिषद केदार प्रसाद यादव ने शिव भक्त अशोक शर्मा का स्वागत किया है। मालूम हो कि अशोक शर्मा पिछले 5 साल से दंडवत प्रणाम करते हुए बाबा गरीब नाथ जी का जलाभिषेक करते आ रहे हैं। अशोक शर्मा जल भरकर दंडवत प्रणाम करते निकले है। यह मुजफ्फरपुर 22वें दिन पहुचेंगे। इसके बाद 14 अगस्त को बाबा गरीबनाथ जी का जलाभिषेक करेंगे। शिव भक्त अशोक शर्मा मुजफ्फरपुर के जुरन छपरा गांव के रहने वाले हैं। इस संबंध में शिव भक्त अशोक शर्मा ने बताया कि साल 2019 से लगातार दंडवत प्रणाम करते बाबा गरीब नाथ जी का जलाभिषेक करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाबा गरीब नाथ का दिया हुआ सपना है, जिसे सकार करने के लिए जा रहा हूं।

फर्नीचर व्यवसायी पर फायरिंग, दिल्ली के 2 अपराधी समेत 6 अरेस्ट

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में फर्नीचर व्यवसायी से एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वैशाली एसपी हर किशोर राय ने बताया है कि रंगदारी मांगने वाले 2 अपराधी प्रिंस और रौशन, पटना के बेऊर जेल और पश्चिम बंगाल के जेल में बंद हैं। इन्होंने ही मिलकर रंगदारी मांगने का प्लान बनाया था। एसपी ने बताया है कि रंगदारी के प्लान में दिल्ली के अपराधी भी शामिल हैं। इन सभी को लालगंज के ही कुछ लोकल बदमाशों का भी सपोर्ट मिला है। फिलहाल पुलिस ने दिल्ली के 2 और लालगंज के 4 बदमाशों समेत 6 को अरेस्ट कर लिया है।

इनके पास से मोबाइल भी बरामद हुआ है। चार लोग और भी शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पीड़ित फर्नीचर व्यवसायी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया था कि 14 जुलाई को फोन पर एक करोड़ रूपए की रंगदारी मांगी गई थी। बोला गया था कि बेऊर जेल से बोल रहा हूं। 18 तारीख तक एक करोड़ रूपया नहीं दिया तो जान से मार देंगे। इसके बाद बीते 21 जुलाई की रात 8 बजे के करीब बाइक से आए दो बदमाशों ने उनके घर पर चढ़कर फायरिंग की थी। वैशाली पुलिस के अनुसार जिन 6 लोगों को पकड़ा गया है, उनमें 4 लालगंज के और 2 दिल्ली के रहनेवाले हैं। दिल्ली के बदमाशों पर लूट संबंधित मामले पहले से दर्ज हैं। घटना को लेकर लालगंज के व्यवसायियों ने आज सोमवार को अपना-अपना प्रतिष्ठान बंद रखा। सभी ने मार्च निकालकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। वारदात के बाद स्थानीय व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

चिराग के समाज के लोगों पर पुलिस का लाठीचार्ज, 12 मांगों को लेकर विधानसभा मार्च कर रहे थे

पटना। पटना में मंगलवार को विधानसभा का घेराव करने निकले चिराग पासवान के समाज के लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। आरक्षण की मांग को लेकर ये लोग विधानसभा की ओर निकले थे। कारगिल चौक से ये मार्च शुरू हुआ था। नीले झंडे, डंडे और बाबा साहब की प्रतिमा लेकर आंदोलनकारी विधानसभा के लिए निकले। जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर पुलिस ने सभी को रोका था।

यहां पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सभी से लौटने को कहा, लेकिन वे नहीं माने इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ लोगों को चोट भी आई हैं। एसडीपीओ लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया है कि इनको कोई परमिशन नहीं दी गई है। इस वजह से यहां से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। पटना सदर एसडीएम श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर ने कहा कि लाठीचार्ज नहीं हुआ है। आंदोलनकारियों की लाठी से पहले राहगीरों की गाड़ी पर मारा गया। इसके बाद भीड़ को हटाया गया। 4-5 लोगों को हिरासत में लिया गया है। आंदोलन में शामिल जिन लोगों को चोट लगी है, वो उनकी लाठी से लगी है।

पटना में 13 दिन से शिक्षक लापता, पत्नी बोली- चाय पीने गए थे, लौटकर नहीं आए

पटना। पटना जिले के संपतचक प्रखंड से एक शिक्षक पिछले 13 दिनों से लापता हैं। परिजनों का कहना है कि सीसीटीवी से कुछ सुराग मिल सकता है, लेकिन पुलिस की ओर से लापरवाही बरती जा रही है। थाने का चक्कर लगाकर हमलोग थक चुके हैं। पत्नी नीलम सिंह ने बताया कि उनके पति संजय कुमार सिंह 10 जुलाई की शाम से लापता हैं। चाय पीने के लिए घर से बाहर गए थे। उसके बाद लौटकर नहीं आए। उनके पास कोई मोबाइल भी नहीं है। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। 11 जुलाई को गोपालपुर थाने में मामला दर्ज कराया, लेकिन आज दिन तक कुछ नहीं हुआ। दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। जो बार-बार अपने पिता को ढूंढ रहे हैं। अब बच्चों को मैं क्या जवाब दूं। समझ में नहीं आ रहा है कि कहां जाऊं। वहीं, इस मामले में जब गोपालपुर थाना प्रभारी जावेद अहमद खान से बात करने की कोशिश की गई तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया। सरकारी नंबर पर फोन करने पर उन्होंने रिसीव नहीं किया। परिजन लगातार परेशान हैं, लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है।

ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में हुलास पांडेय समेत 8 को नोटिस

♦ 4 हफ्ते बाद फिर होगी सुनवाई, लोअर कोर्ट में केस के ट्रायल पर रोक जारी

एजेंसी, पटना।

रणवीर सेना के प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में आज पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने इस कांड के सभी 8 आरोपियों को नोटिस जारी किया है। उन्हें अगली सुनवाई के दौरान पेश होने और एडवोकेट के माध्यम से अपना पक्ष रखने को कहा गया है। एडवोकेट माधव राज के अनुसार जस्टिस संदीप कुमार ने मंगलवार को सुनवाई की। अब इस मामले में अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद होगी। तब तक के लिए आरा कोर्ट में चल रहे इस हत्याकांड के ट्रायल पर भी रोक जारी रहेगी। लोअर कोर्ट में चल रहे केस के ट्रायल पर पहली बार 15 जुलाई को रोक लगाई थी।

4 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था: दरअसल, ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्या के बाद बिहार पुलिस की जांच में शुरुआती तौर पर 4 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। इसमें अभय पांडेय, नंद गोपाल पांडेय, प्रिंस पांडेय और रितेश कुमार सिंह के नाम शामिल थे। बाद में CBI ने जो अपनी चार्जशीट दाखिल की उसमें लोजपा (रामविलास) के बिहार संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य हुलास पांडेय, अमितेश कुमार पांडेय, बालेश्वर राय और मनोज राय को आरोपी बनाते हुए नामजद किया गया।

पिछले साल दिसंबर में दाखिल हुई थी चार्जशीट: ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में

चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) के बिहार संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडेय सहित 8 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सभी नामजद के खिलाफ पिछले साल दिसंबर महीने में CBI ने आरा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। चार्जशीट में हुलास पांडेय, अभय पांडेय, नंद गोपाल पांडेय उर्फ फौजी, रितेश कुमार उर्फ मोनू, अमितेश कुमार उर्फ गुड्डू पांडेय, प्रिंस पांडेय, बालेश्वर पांडेय और मनोज राय उर्फ मनोज पाण्डेय का नाम शामिल है। अपनी चार्जशीट में जांच एजेंसी ने बताया कि हुलास पांडेय ने सात अन्य आरोपियों के साथ मिलकर ब्रह्मेश्वर नाथ सिंह उर्फ ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्याकांड की साजिश रची थी। इस चार्जशीट के बाद हुलास पांडेय ने पार्टी में मिले पद से इस्तीफा दे दिया था। मगर, चिराग पासवान ने उनके इस्तीफा को स्वीकार नहीं किया था।

1 जून 2012 को हुई थी हत्या: ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्या 1 जून 2012 को हुई थी। अहले सुबह 4 बजे घर के बाहर ही उन्हें गोलियों से भून दिया गया था। हथियार से लैश होकर पहुंचे 4 से 5 अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए कुल 9 गोलियां उनके शरीर में दाग दी थी। जिस कारण मौके पर ही ब्रह्मेश्वर मुखिया की मौत हो गई थी।

भोजपुर जिले के आरा मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर की दूरी पर पवना थाना के तहत खोपिड़ा गांव में रणवीर सेना के प्रमुख का घर था। गली का अंत इनके घर पर ही होता है। अपने गली में ही वो टहल रहे थे और उसी बीच ये वारदात हुई थी। उस तारीख को इस वारदात ने सिर्फ भोजपुर जिला ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार में हड़कम्प मचा दिया था। नीतीश सरकार के अंदर ऐसी खलबली मच गई थी कि बिगड़ते हालात पर काबू पाने के लिए उस वक्त के DGP अभ्यानंद को आनन-फानन में पटना से सीधे वारदात स्थल पर भेज दिया गया था। 1 जून 2024 बीत चुका है। इस चर्चित हत्याकांड को पूरे 12 साल हो गए हैं। पिछले 11 साल से इस की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी CBI की टीम कर रही है।

लूट को अंजाम देने से पहले पहुंची पुलिस

बदमाशों ने की 2 राउंड फायरिंग, हिरासत में लिए गए कई संदिग्ध

एजेंसी, पटना।

पुलिस ने सोमवार की देर रात गोपालपुर थाना क्षेत्र के कन्नौजी गांव में लूट की एक बड़ी योजना को नाकामयाब कर दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अपराधियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। हालांकि अपराधियों के द्वारा दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की गई। पुलिस ने इस मामले में कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ कर रही है।

पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन: घटना के बाद पूरे गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना की पुष्टि करते हुए पटना के सिटी एसपी पूर्वी ने बताया कि लूट की योजना बना रहे अपराधियों के खिलाफ सूचना मिलने पर परसा बाजार गोपालपुर सहित कई थानों की पुलिस सोमवार की आधी रात को मौके पर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि अपराधियों की ओर से दो गोली चलाई गई है। पुलिस ने पूरे गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि अपराधियों के गतिविधियों के खिलाफ पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन करके रेड किया जा रहा है।

कन्नौजी गांव में कर रहे थे प्लानिंग: गोपालपुर थाना के कन्नौजी गांव में सोमवार की आधी रात को कुछ अपराधी अपराध की योजना बना रहे थे। अपराधियों के द्वारा गांव के खेत में सन्नाटे में बने कुछ मकानों को टारगेट किया जा रहा था। इसकी भनक गांव के लोगों को लगी तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों को खदेड़ दिया। अपराधियों की ओर से गोलियां चलाई गई। पुलिस ने दो गोली चलाई जाने की पुष्टि की है। आसपास के लोगों ने बताया कि परसा बाजार गोपालापुर गौरीचक थाना क्षेत्र के इलाकों में अपराधियों ने लगातार लूट और डकैती की घटना को अंजाम दिया है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है।

पटना में 25 हजार के इनामी समेत 2 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना।

पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 25 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी विवेक उर्फ ब्रेकर राय को गिरफ्तार किया है। 2022 में कोर्ट में पेशी के दौरान फरार हो गया था। पिछले 2 साल से पुलिस तलाश कर रही थी। इसके अलावा हथियार के साथ एक अन्य अपराधी दिनेश राय की भी गिरफ्तारी हुई है।

हत्या मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार: सिटी एसपी पश्चिमी अभिनव धीमान ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया की दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ब्रेकर राय पर 25 हजार रुपए का इनाम था। हत्या, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं। जबकि दूसरा दिनेश कुमार पर भी

आर्म्स एक्ट और हत्या केस में आरोपी है।

कट्टा और कारतूस बरामद: सोमवार देर रात पुलिस की सूचना मिली कि दिनेश कुमार शंकरपुर घाट पर रंगदारी और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इनपुट के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी के दौरान 1 देसी कट्टा, खोखा और 3 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

पटना में झमाझम बारिश, 19 जिलों में संभावना

एजेंसी, पटना।

पटना में मंगलवार को सुबह से मौसम का मिजाज बदला है। दोपहर बाद पटना में झमाझम बारिश हुई। इसके साथ ही मौसम विज्ञान केंद्र ने 19 जिलों में आज हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र मजबूत नहीं हो रहा है, जिसका असर प्रदेश पर पड़ रहा है। विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटे में उत्तर बिहार में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने की उम्मीद है। जबकि पटना समेत दक्षिण बिहार में एक-दो जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बारिश नहीं होने से प्रदेश के कई जिलों में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। प्रदेश का औसत

अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच बना है।

धीमी पड़ी मानसून की रफ्तार: पूर्वी बिहार के ऊपर जो साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना था वो उत्तर-पूर्वी असम की ओर शिफ्ट हो गया है। वहीं एक टर्फ लाइन जेसलमर, अजमेर, गुना, पूर्वी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से होकर बंगाल की खाड़ी की ओर गुजर रहा है। साथ ही अरब सागर से आ रही पछुआ हवा बंगाल की खाड़ी से होते हुए बिहार के तराई जिलों की ओर आ गई है। इन हलचल की वजह से मानसून की रफ्तार कम हुई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक के अनुसार राज्य में चल रही हवा भी मानसून को लेकर अनुकूल नहीं है। इसके चलते पिछले एक हफ्ते में बारिश में कुछ कमी आई है।

अब तक 27% कम वर्षा, 35 डिग्री के पार पहुंचा कई शहरों का तापमान

बगहा में नेपाल बस हादसे के लापता लोगों को ढूंढने में जुटी एनडीआरएफ: 12 जुलाई को नेपाल के त्रिशूली नदी में दो बस गिरी था। जिसमें 7 भारतीय समेत, कुल 62 लोग गायब हुए थे। अब तक रेस्क्यू ऑपरेशन में 23 लोग मिले हैं, जिसमें 17 लोग भारतीय सीमा में पाए गए। ऐसे में और शवों के भारतीय सीमा पर मिलने की आशंका है। इसी वजह से बगहा में नेपाल प्रशासन की मदद में भारतीय की एनडीआरएफ की टीम जुटी है। जो तराई वाले इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

अवधेश नारायण सिंह विधान परिषद के सभापति बने

सीएम नीतीश कुमार और राबड़ी देवी ने आसन पर बैठाया

एजेंसी, पटना।

विधान परिषद में मंगलवार को सभापति के रूप में अवधेश नारायण सिंह के नाम की घोषणा हुई। उन्हें सर्वसम्मति से सभापति चुन लिया गया है। 23 प्रस्ताव आए थे। राजद से राबड़ी देवी और माले से शशि यादव ने भी समर्थन दिया। वहीं, सीएम नीतीश कुमार और विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने अवधेश नारायण सिंह को आसान पर बैठाया। एमएलसी संजीव कुमार सिंह पीठासीन पदाधिकारी थे। मानसून सत्र के पहले दिन ही उन्होंने सभापति के लिए अपना नामांकन कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी उनके नाम की प्रस्तावक हैं। महीने भर पहले अवधेश नारायण सिंह को कार्यकारी सभापति बनाया गया था। उपसभापति के लिएजेडीयू एमएलसी और हिंदी साहित्य के लेखक प्रोफेसर रामवचन राय ने नामांकन भरा है। इस मौके से सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक

चौधरी, मंगल पांडेय, विजय चौधरी समेत कई सदस्य मौजूद रहे। जानकारी है कि उनको भी सर्वसम्मति से विधान परिषद का उपसभापति चुन लिया जाएगा। इससे पूर्व आरजेडी के रामचंद्र पूर्व उपसभापति थे। विधान परिषद की कार्रवाई शुरू होने से पहले मुख्य विपक्षी दल आरजेडी के नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के नेतृत्व में विधान परिषद पोर्टिको में जबरदस्त नारेबाजी की। बिहार को विशेष राज्य के दर्जे को लेकर राबड़ी

♦ स्कूलों की टाइमिंग पर 48 घंटे के अंदर फैसला लेगी सरकार

देवी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा है। सोमवार को लालू प्रसाद यादव ने भी नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा था।

नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की: राबड़ी देवी ने मंगलवार को कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा केंद्र सरकार नहीं दे रही है तो नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। पहले नीतीश कुमार उधर से इस्तीफा दें। हालांकि राबड़ी देवी से पत्रकारों ने सवाल किया कि नीतीश कुमार एनडीए से इस्तीफा देते हैं तो क्या मुख्य विपक्षी दल नीतीश कुमार का स्वागत करेगा। इसको लेकर राबड़ी देवी ने कहा कि पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। वहीं केंद्रीय बजट को लेकर राबड़ी देवी ने कहा कि यह बजट एक झुनझुना है। इस बजट से आम लोगों को कोई फायदा नहीं होगा।

बेउर में SBI एटीएम में लगी आग

एजेंसी, पटना।

पटना के बेउर थाना क्षेत्र के आयुषी रोड में मंगलवार की सुबह अचानक एसबीआई के एक एटीएम में आग लग गयी। आग की लपटें जल्द ही तेज होती चली गयी। मॉर्निंग वॉक के लिए निकले कुछ लोगों ने इसकी सूचना बेउर थाने को दी।

शार्ट सर्किट की वजह से लगी आग: सूचना मिलते ही बेउर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस बीच एटीएम आग की चपेट में आने से पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि एटीएम के अंदर पैसे कितने सुरक्षित हैं। यह अभी बताने में बेउर थाने की पुलिस पूरी तरह असमर्थ है। पुलिस का यह मानना है कि एसबीआई के अधिकारियों को इसकी

सूचना दी गई है। मौके पर पहुंचने के बाद ही नुकसान का आंकड़ा लगाया जा सकता है। आसपास के लोगों ने बताया कि एसबीआई एटीएम काफी रिहायशी इलाके में है। इसके अलावा यहां कुछ दूरी पर इंडियन ऑयल का बड़ा डिपो है। आसपास के लोगों ने बताया कि अगर फायर ब्रिगेड की गाड़ी को पहुंचने में देर होती तो आग का रूप विकराल हो सकता था। बड़े पैमाने पर यहां हादसा होने की संभावना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद जब मौके पर पहुंचे तो एटीएम पूरी तरह धू-धू कर जल रही थी।

86KG और सांवली होने पर लोग उड़ाते थे मजाक, अब मिस यूनिवर्स इंडिया में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी काजल, पायलट बनने का था सपना

एजेंसी, पटना।

बिहार की बेटी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रैंप वॉक करेगी। पटना की काजल चौधरी का चयन मिस यूनिवर्स इंडिया के लिए हुआ है। वह इस ब्यूटी पेजेंट में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। काजल ने बताया कि जब उनका नाम एनाउंस हुआ तो ऐसा लगा कि सालों की मेहनत रंग लाई है। वह 2-3 साल से इसके लिए लगातार कोशिश कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई भी बीच में ही छोड़ दी। इससे पहले काजल ने 2022 में मिस वर्ल्ड इंडिया में भी भाग लिया था, जिसमें वह टॉप-30 में रही थीं। काजल का वेट कभी 86 किलो था। लोग उनका मजाक उड़ाते थे।

86 किलो और सांवली होने पर लोग उड़ाते थे मजाक: 22 साल की काजल का बचपन में सपना पायलट बनने का था। उनके भाई कमांडर थे, इसलिए वह भी इसी फील्ड में अपना करियर बनाना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने पायलट की ट्रेनिंग भी ली है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। काजल ने बताया कि वह ओवर वेट थीं। उनका वजन 86 किलो था और सांवली होने के कारण सभी उनका मजाक उड़ाते थे। उन्हें लड़का समझा जाता था।

काजल ने अपना वजन 31 किलो तक कम किया है: काजल बताती हैं स्कूल में उन्हें लड़कियों में नहीं बल्कि लड़कों में गिना जाता था। ये सारी बातें काजल को काफी बुरी लगती थीं। वह अपने आप में कंफर्टेबल नहीं फील करती थीं। उनका कॉन्फिडेंस कम होता जा रहा था। वह खूबसूरत फील करना चाह रही थीं। इसलिए उन्होंने अपने

वजन पर काम किया। 31 किलो वजन घटाए। जैसे ही उन्होंने अपने आप को फिट किया और कुछ फोटो शूट शेयर किया, उन्हें बड़े-बड़े ब्रांड्स के ऑफर आने लगे।

घर से मॉडलिंग के लिए मिला था 2 साल का समय: काजल ने मॉडलिंग की बात जब अपने घर में बताई तो सभी को शुरुआत में हैरानी हुई। फिर उनके पापा ने उन्हें दो साल का वक्त दिया। इसमें किस्मत आजमाने को कहा। काजल ने कहा कि उनके पैरेंट्स उन्हें लेकर काफी स्पोर्टिव हैं। उन्हें कभी किसी चीज के लिए मना नहीं किया गया है। काजल को लेकर उनके माता-पिता को काफी उम्मीद है और वह बचपन से लेकर आज तक उस उम्मीद पर खड़ा उतरते आई हैं। आज अपनी बेटी के पोस्टर्स-बैनर्स देख के माता-पिता काफी खुश हैं।

तमिल फिल्म में भी कर चुकी हैं काम: काजल फिल्में भी कर चुकी हैं। उनकी एक तमिल फिल्म 'ब्यूटी ऑन मार्स' आने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। काजल ने बताया कि वह हैदराबाद में एक साड़ी ब्रैंड के लिए शूट कर रही थी। उस दौरान वह गंगुबाई के लुक में थी। शूट खत्म होने के बाद उन्होंने आलिया भट्ट की मजे में मिमिक्री कर दी। वहां एक कास्टिंग डायरेक्टर मौजूद थे। उनकी नजर काजल पर पड़ी और उन्होंने फिल्मों का ऑफर दे दिया। काजल ने भी मजाक समझकर हामी भर दी, लेकिन एक हफ्ते बाद ही उस डायरेक्टर ने काजल से कॉन्टैक्ट किया और हैदराबाद आने के लिए फ्लाइट टिकट भेज दी। वहां पहुंचने पर काजल ने स्क्रिप्ट पढ़ा और उन्हें स्क्रिप्ट काफी पसंद आई। इसके बाद उन्हें यह फिल्म की। काजल की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल से हुई। उसके बाद 9-10 उन्होंने बिशप स्कॉट और 11-12 उन्होंने लोयला स्कूल से किया। आगे की पढ़ाई के लिए वह दिल्ली चली गई। वहां दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिलासफी ऑनर्स में एडमिशन लिया, लेकिन बीच में ही ड्रॉप कर दिया।

विक्रम भट्ट और महेश भट्ट की हॉन्टेड फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज टेड आई सामने

26 जुलाई को होगा प्रीमियर

हॉरर जॉनर के बादशाह कहे जाने वाले विक्रम भट्ट एक बार फिर से नई फिल्म के साथ वापसी के लिए तैयार हैं। बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और महेश भट्ट एक बार फिर से दर्शकों को डराने के लिए तैयार हैं. उनकी नई हॉरर फिल्म ब्लडी इश्क की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है. यह फिल्म 26 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रीमियर होगी. फिल्म ब्लडी इश्क महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है. इस फिल्म में अविका गौर और वर्धान पुरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट साझा किया गया, जिसने फैंस के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है. अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए विक्रम भट्ट ने कहा, आप लोगों के लिए ये विश्वास करना मुश्किल होगा लेकिन मुझे हॉरर फिल्में देखने से डर लगता है। हालांकि मैं अपने व्यूअर्स के लिए ऐसी फिल्में बनाना बहुत पसंद करता हूं। मैं काफी समय से हॉरर लव स्टोरी बनाने की कोशिश कर रहा था फिर मैंने भट्ट साहब से इस बारे में बात की। उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे इसके लिए हामी भर दी और अब हम ब्लडी इश्क लेकर आ रहे हैं। वहीं अविका गौर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, अविका इंडस्ट्री की सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट के बाद मुझे पता था कि मैं उन्हें ब्लडी इश्क में कास्ट करने वाला हूं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस को वाकई निखारा है। मुझे विश्वास है कि इस फिल्म को लोगों के लिए भुला पाना मुश्किल होगा।

महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस के सेट पर काजोल ने की मेरी मदद : संयुक्ता मेनन

एक्ट्रेस संयुक्ता फिल्म महारागनी-क्वीन ऑफ क्वींस से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में काजोल दुर्गा अवतार में दुश्मनों से लड़ती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि काजोल ने सेट पर उनके लिए चीजें थोड़ी आसान बनाने में उनकी मदद की। काजोल के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में संयुक्ता ने कहा, काजोल मैम के साथ काम करने का मौका मिलना सम्मान की बात है। उनके साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। वह वाकई बहुत प्यारी हैं। मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। यह बहुत अद्भुत है कि मुझे उनके साथ काम करने और उन्हें देखने का अवसर मिला। जब हम साथ में सीन करते थे, तो काजोल मैम मेरी मदद करती थीं, ताकि चीजें मेरे लिए आसान हो जाएं। एक्ट्रेस ने कहा, जब आप काजोल मैम से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं, तो आपको पता चलता है कि वे और भी अच्छी हैं। संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद से वह कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला

नायक, बिम्बिसार, गालीपाटा 2 और वाथी सहित कई फिल्मों में दिखाई दीं। उन्हें पिछली बार तेलुगू फिल्म विरुपाक्ष में देखा गया था। बता दें कि महारागनी- क्वीन ऑफ क्वींस एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें काजोल और प्रभुदेवा 27 साल बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले इस जोड़ी को मिनसारा कनवु (1997) में देखा गया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता, छाया कदम और प्रमोद पाठक भी नजर आएंगे। हाल ही में, फिल्म का टीजर लॉन्च किया गया, इसमें काजोल का दमदार रूप देखने को मिला। इस टीजर की शुरुआत प्रभु देवा से होती है, जो रनवे पर दौड़ रहे एक शख्स का पीछा करते हैं। वहीं संयुक्ता मेनन को कार स्टंट करते हुए दिखाया जाता है। इस बीच नसीरुद्दीन शाह की झलक भी मिलती है, जो अस्पताल के बेड पर लेटे हुए हैं और फिर होती है काजोल की धांसू एंट्री, जो मां दुर्गा पूजा के जश्न के बीच सामने आती हैं। दुर्गा पूजा में काजोल गुंडों की पिटाई करती हुई दिखाई देती हैं। इस दौरान काजोल डायलॉग बोलती हैं, पावर मांग के नहीं, छीनने से मिलती है। इसके बाद वह कहती हैं, मां सरस्वती का ज्ञान, मां लक्ष्मी की समृद्धि, मां दुर्गा का दम, इतना सब कुछ होने के बाद भी डरना पड़े, फुल टू देसी। इस टीजर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। महारागनी यानी रानियों की रानी, थोड़े पल के लिए रुकें और आनंद लें! उम्मीद है कि आप लोगों को यह पसंद आएगी। फिल्म चरणतेज उप्पलपति द्वारा निर्देशित है।

पत्नी काजोल के अपकमिंग फिल्म के टीजर पर अजय देवगन ने कमेंट किया था और लिखा था, आली रे आली, महारागनी आली। फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया गया है। वेंकट अनीश डोरिगिल्लू और हरमन बावेजा द्वारा निर्मित, एक्शन फिल्म में फोटोग्राफी डायरेक्टर जीके विष्णु हैं। स्क्रीनप्ले निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना का है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश, एडिटर नवीन नूली और म्यूजिक डायरेक्टर हर्षवर्धन रामेश्वर हैं।

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ स्टारर वेदा का नया पोस्टर आया सामने

15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

मुंज्या और महाराज में नजर आने के बाद अब एक्ट्रेस शरवरी वाघ जल्द जॉन अब्राहम के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म वेदा में दिखाई देने वाली है। ये मूवी अगले महीने अगस्त में रिलीज होने के लिए तैयार है। फैंस भी पठान के बाद एक बार फिर अभिनेता को एक्शन अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है और साथ ही जॉन के किरदार के लिए एक खास नोट भी लिखा है। निखिल आडवाणी के

निर्देशन में बनी फिल्म वेदा का नया पोस्टर शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें जॉन-शरवरी एक साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है कि अभिमन्यु सर, म्हारी दुनिया में आप एक अकेले ऐसे इंसान हो, जिसने कभी-कोई फर्क नहीं किया। गुरु हो आप मेरे, जिसने म्हारा साथ दिया, लड़ना सिखाया, दुनिया की रीति-नीति, सही-गलत सिखा के एक फाइटर बनाया। अन्याय सहना नहीं, बाल्की अन्याय के खिलाफ जंग करने का रास्ता आपने दिखाया। आप प्रेरणा हो म्हारी और मेरे जैसी कई वेदा की। आज गुरु पूर्णिमा के दिन, वादा है ये फाइटर वेदा का आपसे कि ये जंग जो अन्याय के खिलाफ छेड़ी है मैंने आखिर तक लड़ूंगी भी और जीतूंगी भी। आपकी शिष्य, वेदा। जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ के अलावा इस मूवी में तमन्ना भाटिया और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं। ये फिल्म जी स्टूडियोज, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। वेदा एक एक्शन ड्रामा मूवी है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। पहले यह मूवी जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदल दी। अब यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 स्वतंत्रता दिवस वाले दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 भी टक्कर लेने वाली है।

मालवी मल्होत्रा का स्पेशल सॉन्ग शाहबानो रिलीज!

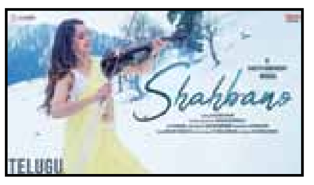

आडू एंटरटेनमेंट के बैनर तले अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा का स्पेशल गाना शाहबानो डिवो म्यूजिक के जरिए रिलीज किया गया है। गौतम चव्हाण द्वारा निर्मित और भास्कर बंटुपल्ली द्वारा निर्देशित इस गाने की कोरियोग्राफी यश मास्टर ने की है। रिलीज के बाद इस गाने को युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें युवा सितारे गाने की रील बना रहे हैं। शानदार लोकेशन पर फिल्माया गया यह गाना अपने मधुर और आकर्षक बोलों से लोगों का मन मोह लेता है। प्रतिभाशाली गायक साकेत कोमांडुरी ने अपने अनोखे अंदाज में इस गाने को संगीत दिया है। गाने की सिनेमैटोग्राफी ए.डी. मार्गल ने की है, जबकि श्रीकांत पटनायक ने संपादन किया है। आर. आर. मुरलीमोहन कार्यकारी निर्माता हैं और आर. चंद्रमोहन लाइन प्रोड्यूसर हैं। शाहबानो गाने को तेलुगु, हिंदी, तमिल और कन्नड़ में एक साथ रिलीज़ किया गया था, जिसमें सोनी कोमांडुरी ने सभी संस्करणों के लिए स्वर प्रदान किए थे। उल्लेखनीय है कि सोनी कोमांडुरी ने बाहुबली फिल्म में प्रसिद्ध हंसा नावा गाना भी गाया था।

शर्लिन चोपड़ा का बोल्ड अवतार हुआ वायरल, रिवीलिंग आउटफिट में गिराई बिजली

बॉलीवुड की बोल्ड और बेबाक अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा हमेशा ही अपने बोल्ड लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं. इस तस्वीर में शर्लिन ने ग्रे रंग का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है और ऑफ व्हाइट स्नीकर्स कैरी किए हुए हैं. उन्होंने अपने बालों को एक खास अंदाज में बांधा हुआ है और लाइट मेकअप के साथ मिरर के सामने पोज दे रही हैं. शर्लिन का यह बोल्ड अवतार उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. फैंस उनके इस लुक पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और उन्हें लगातार कमेंट्स और लाइक्स कर रहे हैं. शर्लिन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. शर्लिन चोपड़ा (स्ध्द्रद्गह्म्4ह्ड ष्टद्धशश्चह्म्ड) का जन्म 11 फरवरी 1984 को हुआ था. शर्लिन चोपड़ा (स्ध्द्रद्गह्म्4ह्ड ष्टद्धशश्चह्म्ड) का असली नाम मोना चोपड़ा है. शर्लिन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म टाइमपास से की थी. शर्लिन भारत की पहली ऐसी महिला हैं, जिन्होंने प्लेबॉय मैग्जीन के लिए न्यूड फोटोशूट कराया था. इस फोटोशूट के बाद शर्लिन काफी सुर्खियों में रही थीं. शर्लिन हिंदी फिल्मों के अलावा कई तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. शर्लिन टीवी जगत में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं. शर्लिन चोपड़ा (स्ध्द्रद्गह्म्4ह्ड ष्टद्धशश्चह्म्ड) ने एम टीवी के शो स्पिल्ट्सविला को होस्ट किया था. इसके अलावा शर्लिन रियलिटी शो बिग बॉस के सीजन 3 में दिखाई दी थीं.

बॉक्स ऑफिस पर छाई विक्की कौशल-तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज, 20 करोड़ के करीब पहुंची कमाई

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज 19 जुलाई, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. आनंद तिवारी निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने दूसरे दिन भारत में 10 करोड़ रुपये कमाए. ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक फिल्म की दूसरे दिन की कमाई में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिल्म की कमाई में सिर्फ 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. यह फिल्म के बिजनेस के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि कुछ मूवी चेन ने पहले दिन से ही कमाई में गिरावट देखी है. 8.3 करोड़ रुपये से ओपनिंग करने और अपने पहले शनिवार को 10 करोड़ रुपये कमाने के बाद, बैड न्यूज की दो दिन की कमाई 18.3 करोड़ रुपये हो गई है. इसी के साथ फिल्म की कमाई में सिर्फ 50-60 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है. उम्मीदें थीं कि बैड न्यूज एक ही वीकेंड में 35 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर लेगी लेकिन फिल्म अपने दूसरे दिन उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी. अगर सोमवार को 50 से कम की गिरावट आती है तो विक्की कौशल की फिल्म का पहले हफ्ते का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन अच्छा नहीं हो सकता है. हालांकि इसके बावजूद बैड न्यूज ने विक्की कौशल को एक ऐसा स्टार बना दिया है जो अपनी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नतीजे दिला सकता है. बैड न्यूज ने साल की छठी सबसे अच्छी हिंदी ओपनिंग हासिल की है. बैड न्यूज के बाद विक्की कौशल की छावा से भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है. विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया ने फिल्म में खास रोल प्ले किया है. जबकि अनन्या पांडे और नेहा शर्मा ने फिल्म में कैमियो किया है.